Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

● वर्ष : 15 ● अंक-207 ● रायपुर, शनिवार 26 अगस्त 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
श्रावण अधि. मास
शुक्ल पक्ष-दशमीं

तखतपुर एवं मस्तूरी में किया गया ईवीएम मशीन का प्रदर्शन

कलाई पर सजेगी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित राखियां,सी-मार्ट सहित जनपद कार्यालयों पर उपलब्ध है राखियां

भानुप्रतापपुर के अंग्रेजी शराब दुकान में प्रिंट रेट से अधिक मूल्य में बिक रही है शराब

सुविचार

समय का उत्तम उपयोग करना सीखें क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।
-स्वदेश तिवारी

संक्षिप्त समाचार

ताश के पत्तों की तरह ढहे आठ भवन, प्रशासन की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के आनी में आठ भवन जमींदोज हो गए हैं। हालांकि कोई जानी नुकसान नहीं है। एक सप्ताह पूर्व आनी के नए बस स्टेंड के साथ बने करीब चार भवन और उसके पीछे चार रिहायशी मकानों में दरारें आने के बाद प्रशासन द्वारा इन भवनों को अनसेफ घोषित किया गया था। प्रशासन ने सभी को मकान खाली करने के निर्देश दिए थे। जानकारी के अनुसार सभी भवन खाली करवा दिए गए थे। वीरवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे ये सभी अनसेफ भवन जमींदोज हो गए। देखते ही देखते सभी मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए। उल्लेखनीय है कि दो भवनों में दो बैंक शाखाएं एसबीआई और कांगड़ा बैंक की चल रहीं थी। जबकि करीब 30 दुकानें भी थी। प्रशासन की पूरी टीम मौके पर तैनात रही।

शिव बावड़ी मंदिर हादसे में मारे गए सभी 20 लोगों के शव बरामद सर्च अभियान बंद

शिमला। समर हिल स्थित शिव बावड़ी मंदिर हादसे में लापता चल रहे 3 लोगों के शव वीरवार को मलबे से बरामद कर लिए गए। प्रशासन द्वारा हादसे में मारे गए सभी 20 लोगों के शव बरामद होने के बाद सर्च अभियान बंद कर दिया गया है। सर्च अभियान में सेना, एनडीआरएफ, एसडी आरएफ, होमगार्ड्स और फायर और जिला पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्य किया। वहीं स्थानीय लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई। वीरवार को जिन 3 लोगों के शव बरामद हुए हैं, उनकी पहचान नीरज ठाकुर (45) पुत्र स्वर्गीय शांति स्वरूप निवासी शांति निवास गांव अंद्री पोस्ट ऑफिस समर हिल तहसील और जिला शिमला, समायरा (साढ़े 4 वर्ष) पुत्री स्वर्गीय अमन निवासी अमन कॉटेज एमआई रूम समर हिल व पवन (64) पुत्र स्वर्गीय मूलक राम शर्मा निवासी अमन कॉटेज एमआई रूम, समर हिल के रूप में की गई है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने 9 देशों के युवा नेताओं के साथ बातचीत की

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 9 लोकतांत्रिक देशों के 19 युवा नेताओं के साथ बातचीत की, जो आईसीसीआर के जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम के तहत भारत का दौरा कर रहे हैं। उपराज्यपाल ने आयरलैंड, नामीबिया, अमेरिका, आइस लैंड, लक्जमबर्ग, इटली, डेनमार्क, अल्बानिया और मोल्दोवा के युवा प्रतिनिधियों का राजभवन में स्वागत किया।बातचीत के दौरान उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर की परिवर्तनकारी यात्रा पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश डिजिटल समाज के निर्माण और समावेशी, सतत विकास के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने चंद्रमा की सतह पर भारत के चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग पर भी प्रकाश डाला।

मोदी को ग्रीस का दूसरा सबसे बड़ा सम्मान

पीएम मोदी-ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से सम्मानित

■ पीएम बोले- हम पुराने दोस्तों की तरह एक दूसरे को समझते हैं 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करेंगे

एथेंस/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिन के दौरे पर ग्रीस पर हैं। यहां दोनों देशों के बीच डेलिगेशन लेवल की बातचीत हुई। इसके बाद जॉइंट स्टेटमेंट में पीएम ने कहा- हम पुराने दोस्तों की तरह एक-दूसरे को समझते हैं। हम 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करेंगे। पीएम ने ग्रीस के जंगलों में लगी आग में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।वहीं राष्ट्रपति कैटरीना सकेलारोपोउलो ने पीएम मोदी को सेरिमोनियल वेलकम दिया। उन्हें ग्रीस के दूसरे सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफद ऑर्डर ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया। मोदी ने कहा- मैं इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति, ग्रीस की सरकार और लोगों को धन्यवाद देता हूं। यह ग्रीस के लोगों का भारत के प्रति आदर भाव दर्शाता है। हमारे बीच जियोपॉलिटिकल मुद्दों को लेकर तालमेल है। चाहे वो इंडो-पैसिफिक हो या भूमध्य सागर हो। 40 सालों के लंबे अंतराल के बाद भारत के किसी प्रधानमंत्री का ग्रीस आना हुआ है। इसके बावजूद हमारे संबंधों की गहराई कम नहीं हुई है। हम अपनी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को मजबूती देंगे। हमने रक्षा उद्योगों को बल देने पर सहमति जताई। आतंकवाद के मुद्दों पर चर्चा की गई। हमने तय किया है कि हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच बातचीत के लिए प्लेटफॉर्म होना चाहिए। हम 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करेंगे। कृषि क्षेत्र में सहयोग के लिए एक एग्रीमेंट साइन किया गया है। पीपुल टु पीपुल संबंधों को बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। हमने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। चंद्रयान की सफलता सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की है। इससे सभी वैज्ञानिकों को मदद मिलेगी। मुझे ग्रैंड क्रॉस ऑफद ऑर्डर ऑफ ऑनर का सम्मान दिया गया।140 करोड़ भारतीयों की तरफ से मैंने ये सम्मान स्वीकार किया। एथेंस पहुंचे पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एयरपोर्ट के बाहर भारतीय मूल के लोगों ने उनका ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने 'टॉम्ब ऑफ अननोन सोल्जर' पर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

पीएम मोदी से मिलने के बाद गदगद हुए भारतीय समुदाय के लोग.....

पीएम मोदी जब एथेंस के होटल में पहुंचे तो वहां पहले से भारतीय समुदाय के लोग उनका इंतजार कर रहे थे। पीएम मोदी के होटल में आगमन के साथ ही लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'मोदी-मोदी' के नारे लगाने शुरू कर दिए। भारतीय प्रवासी सदस्यों में से एक ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि पीएम मोदी यहां हैं। 40 साल बाद पीएम आए। पिछली बार तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ग्रीस पहुंची थीं। नरेंद्र मोदी पिछले 9 साल से पीएम हैं और उन्होंने दुनिया में भारत का अच्छा नाम रोशन किया। मुझे बहुत गर्व है कि पीएम मोदी आए। इस ग्रीस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड, टेक्नोलॉजी से लेकर डिफेंस को-ऑपरेशन पर चर्चा हुई। जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी के साथ 12 भारतीय बिजनेसमैन भी एथेंस पहुंचे हैं। पीएम मोदी का ग्रीस का दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि 40 साल बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री ग्रीस के दौरे पर हैं। इससे पहले इंदिरा गांधी ने ग्रीस का दौरा किया था।

भारतीय समुदाय ने मोदी को ग्रीस का पारंपरिक मुकुट भी पहनाया, जिसे हेड्रेस कहा जाता है। इससे पहले पीएम मोदी शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे एक दिन के दौरे पर यूरोपीय देश ग्रीस की राजधानी एथेंस पहुंचे थे। यहां एयरपोर्ट पर विदेश मंत्री जॉर्ज जेरापेट्रिटिस ने उन्हें रिसीव किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ग्रीस काफी समय से भारत की ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल को खरीदने में दिलचस्पी दिखाता रहा है। ऐसे में पीएम मोदी के दौरे पर ग्रीस को ब्रह्मोस मिसाइल मिलने पर डील हो सकती है।

ममता बनर्जी का मुस्लिम प्रेम दिखावा

ममता ने इमामों,मुअज्जिनों के भत्ते में की है बढ़ोतरी..

कोलकाता। एजेंसी

अभी कुछ दिन पहले बंगाल के इमामों, मुअज्जिनों और पुजारियों को मिलने वाले भत्ते में पांच-पांच सौ रुपये की बढ़ोतरी की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की घोषणा की है। इसे लेकर अब बंगाल कांग्रेस के नेता कौस्तव बागची ने मांग की है कि एक मुस्लिम को ममता बनर्जी बंगाल का उप मुख्यमंत्री या गृहमंत्री बनाए है। इंटरनेट मीडिया पर बागची ने बिना किसी का नाम लिए सीएम ममता बनर्जी को एक मुस्लिम को राज्य का उपमुख्यमंत्री या गृहमंत्री नियुक्त करने की चुनौती दी है। बागची ने मुस्लिम की भलाई के बारे में सिर्फ दिखावा करने के लिए ममता बनर्जी की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि, यदि वह मुस्लिम की बेहतरी के प्रति गंभीर हैं तो उन्हें किसी मुस्लिम को उप मुख्यमंत्री नियुक्त करना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि जब से कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मुकाबला करने के लिए आइएनडीआइए में शामिल हुई हैं, बंगाल कांग्रेस ने एक विपक्षी दल के रूप में अपनी सारी विश्वसनीयता खो दी है। साथ ही प्रदेश कांग्रेस का ममता विरोधी चेहरा रहे कौस्तव बागची जिन्हें इंटरनेट मीडिया पर ममता के खिलाफ पोस्ट करने के लिए गिरफ्तार होना पड़ा था उन्होंने अपना सिर मुंडवा कर कसम खा रखी है कि वे तब तक सिर पर बाल नहीं रखेंगे जब तक ममता को सीएम की कुर्सी से नहीं हटा देंगे।

मनोज सिन्हा ने अमरनाथ जी छड़ी मुबारक का पूजन किया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने महादेव गिर दशनामी अखाड़ा में छड़ी-मुबारक श्री अमरनाथजी के महंत दीपेंद्र गिरि की उपस्थिति में श्री अमरनाथजी छड़ी मुबारक का पूजन किया।उपराज्यपाल ने भगवान शिव का आशीर्वाद लिया और सभी की शांति, समृद्धि, खुशी और कल्याण के लिए प्रार्थना की। श्रावण शुक्ल अष्टमी के शुभ अवसर पर छड़ी-पूजन श्री अमरनाथजी तीर्थस्थल की वार्षिक तीर्थयात्रा के समापन से पहले एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पवित्र गदा को छड़ी मुबारक यात्रा की पारंपरिक प्रथा के बाद 26 अगस्त को अमरनाथजी गुफा में ले जाया जाएगा।

राहुल को इतनी जानकारी कौन देता है

राहुल बोला चीन ने हजारों किमी जमीन हमसे छीनी..

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को लद्दाख दौरे के आखिरी दिन कारगिल में एक रैली को संबोधित किया। राहुल ने भारत-चीन बॉर्डर पर चल रहे गतिरोध को लेकर कहा- चीन ने हजारों किमी जमीन हमसे छीनी है। मगर पीएम ने इस पर झूठ बोला। वह कह रहे हैं एक इंच जमीन नहीं गई। यह सरासर झूठ है। राहुल के इस बयान पर बीजेपी ने भी पलटवार किया। बीजेपी नेता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा- आखिर राहुल को ये सब जानकारी कौन देता है। उनका चीन से क्या रिश्ता है। वह हमेशा आधारहीन बातें करते हैं। कारगिल में अपने लद्दाख दौरे का समापन करके राहुल श्रीनगर निकल गए। यह उनका निजी दौरा है। वह हाउसबोट और होटल में दो दिन बिताएंगे।

देश में तीन दिवसीय जी 20 शिखर सम्मेलन शुरू

सीतारमण बोलीं....महंगाई पर काबू पाना हमारी प्राथमिकता

नई दिल्ली / एजेंसी

देश में तीन दिवसीय जी 20 शिखर सम्मेलन शुरू हो गया है। इस सम्मेलन में कई उद्योगपति के साथ साथ देश के कई मंत्री जैसे पीयूष गोयल ,विदेश मंत्री एस जयशंकर ,वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी शामिल हैं। यह वैश्विक व्यापार समुदाय के लिए आधिकारिक जी 20 का एक प्रमुख सहयोगी समूह है। यह एक तरह का संवाद मंच है। जी 20 शिखर सम्मेलन में निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत सरकार की प्राथमिकता है कि वह महंगाई पर काबू करें। ऐसे में ब्याज दरों में बढ़ोतरी इसका उपाय नहीं है। सरकार महंगाई को कंट्रोल करने के लिए कई कदम उठा रही है। महंगाई से निपटने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाना एकमात्र उपाय नहीं है। इसके आगे उन्होंने कहा कि हमारे पास लोकतंत्र है, बोलने की आजादी है और हमें सरकार की आलोचना करने वालों से कोई समस्या नहीं है। उन्होंने अपने भाषण में स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण माना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा कि भारत ने पिछले नौ वर्षों में आर्थिक सुधारों की तीव्र गति प्रदर्शित की है। केंद्रीय बैंकों को विकास संबंधी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखना होगा, साथ ही महंगाई को नियंत्रित करने पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत के आगामी जीडीपी आंकड़े अच्छे होंगे।

धर्म के नाम पर जनता हो गुमराह रही भाजपा अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर जनता को गुमराह करती है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में कोई भी बड़ा काम नहीं किया है। जिसको लेकर जनता से वोट मांग सके। वह बुनियादी मुद्दों से भागती है। आज महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, बड़े मुद्दे हैं। अखिलेश यादव ने आज दिल्ली में एक न्यूज चैनल से साक्षात्कार में कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन एकजुट है। समय आने पर सीटों के बंटवारे पर गठबंधन आपस में बैठकर फैसला कर लेगा। लोकसभा चुनाव में मुकाबला एक बहुत बुरी पार्टी से है।

मानहानि मामले में केजरीवाल को झटका

हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज की याचिका...

नई दिल्ली/ एजेंसी।

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। गुजरात यूनिवर्सिटी द्वारा मानहानि मामले पर रोक लगाने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सुनने से मना कर दी है। दरअसल, केजरीवाल ने इससे पहले हाईकोर्ट से मानहानि मामले पर स्टे देने का अनुरोध किया था, लेकिन कोर्ट ने मामला खारिज कर दिया था। अब सीएम हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि केजरीवाल की रिवीजन याचिका पहले ही हाईकोर्ट में लंबित है, ऐसे में नई याचिका पर सुनवाई की जरूरत नहीं है। बता दें कि पीएम डिग्री मामले में एक टिप्पणी को लेकर गुजरात यूनिवर्सिटी ने सीएम पर मानहानि का मामला दर्ज किया है। बता दें कि इस मामले में गलत बयानबाजी को लेकर गुजरात यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार पीयूष एम पटेल ने केजरीवाल के उपर मानहानि केस किया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के बयानों ने उनके संस्थान को ठेस और नुकसान पहंचाने का काम किया है। केजरीवाल और सांसद संजय सिंह कोर्ट द्वारा समन भी जारी किए गए थे। हालांकि, दोनों नेताओं ने दिल्ली में बाढ़ की बात कहकर पेशी से छूट ले ली थी। दोनों पर गुजरात की मेट्रो कोर्ट में केस चल रहा है। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने गुजरात यूनिवर्सिटी मानहानि केस में निचली अदालत के समन को चुनौती देने वाली रिवीजन अर्जी पर फैसला होने पर सुनवाई पर सटे की मांग की थी।

छत्तीसगढ़ में कोल परिवहन,सट्टे में मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला, आबकारी गड़बड़ी समेत 6 मामलों में जांच

ईडी ने जलजीवन मिशन,चावल सप्लाई में की एफआईआर

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में लगातार कार्रवाई कर आईएएस अफसरों सहित दूसरे अधिकारियों, राजनेताओं और कारोबारियों को गिरफ्तार करने वाले केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इसी महीने दो नए केस (ईसीआरआर) और दर्ज कर लिए हैं। यह मामले जल जीवन मिशन (ईसीआरआर 3/2023) और चावल सप्लाई (ईसीआरआर 1/2023) में हुई कथित गड़बड़ी से जुड़े हैं। इसी साल ईडी ने डीएमएफमें कथित गड़बड़ी पर भी एफआईआर (ईसीआरआर 2/2023) भी दर्ज की थी। इन्हें मिलाकर अब ईडी छत्तीसगढ़ में छह मामलों की जांच कर रही है। इनमें कोल परिवहन, सट्टे में मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला और आबकारी गड़बड़ी भी शामिल है। सूत्रों के मुताबिक इसी हफ्ते ईडी जलजीवन मिशन और चावल सप्लाई की जांच भी तेज करने वाली है। ईडी ने सट्टेबाजी-हवाला मामले में जेल गए आरोपियों से पूछताछ की। कुछ लोगों को समंस भेजकर भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के पहले और आयकर विभाग (आईटी) की लगातार छापेमारी और कार्रवाई से राजनीति गरमा गई हैं। क्योंकि जो कार्रवाई हो रही है उसकी जद में सत्ता पक्ष से जुड़े लोग हैं। ईडी ने पिछले साल 540 करोड़ के कोल परिवहन, सट्टेबाजी में हवाला और आबकारी में 2000 करोड़ की कथित गड़बड़ी का केस दर्ज किया। इस साल डीएमएफ में गड़बड़ी और चावल सप्लाई में गड़बड़ी का केस दर्ज किया है। इस माह अगस्त में भी ईडी ने नया केस दर्ज किया है। इसे जल

?जीवन मिशन में गड़बड़ी से जुड़ा बताया जा रहा है। कुल मिलाकर पिछले एक साल में ईडी ने 6 केस दर्ज किए हैं। इसमें से 4 केस में छापेमारी और जांच शुरू हो गई। दो नये केस की जांच अभी प्रारंभिक चरण में है। जानकारों के अनुसार आने वाले समय में दोनों नए केस में छापेमारी और कार्रवाई होगी। उधर पिछले तीन दिनों से ईडी सट्टेबाजी में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला कनेक्शन की जांच कर रही है। इसमें चारों लोगों की गिरफ्तारी हुई है और 4 लोगों के यहां बुधवार को छापा मारा गया था। कोल परिवहन केस में बेंगलुरु और आईटी के एफआईआर को लेकर केस दर्ज किया गया और कार्रवाई की गई। ईडी ने जांच एजेंसी की कार्रवाई में अनुसूचित अपराध पाया है। आबकारी केस में आईटी के अलग-अलग एफआईआर पर कार्रवाई की। सट्टेबाजी केस में दुर्ग मोहन नगर, रायपुर के गुढ़ियारी, तेलीबांधा और आंध्रप्रदेश के एफआईआर को उठाकर कार्रवाई की है। इस तरह नए केस में भी जांच चल रही है। ईडी अक्टूबर 2022 से राज्य में कार्रवाई कर रही है। अवैध कोल परिवहन में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें दो आईएएस, दो माइनिंग, एक राप्रसे की अधिकारी समेत एक दर्जन बड़े कारोबारी है। आबकारी गड़बड़ी में आबकारी के बड़े अधिकारी समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को सट्टेबाजी केस में एक पुलिस वाला समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया है।

जेल में सटोरियों से पूछताछ, दर्जनभर आरोपियों के लॉकर खुले

सट्टेबाजी में हवाला केस में पुलिस की ओर से जेल भेजे गए एक दर्जन सटोरियों को पूछताछ के लिए समंस जारी किया गया है। गुरुवार को पीयूष भाटिया, युसूफपोट्टी, सीए हर्षल समेत अन्य लोगों को बुलाया गया था। उनसे कुछ लोग समंस के बाद पेश नहीं हुए। जो लोग आए थे। उनसे लंबी पूछताछ हुई है। ईडी की एक टीम जांच के लिए बैंक गई है। एक दर्जन लोगों के लॉकर को खोला गया है। उसमें रखे दस्तावेज और जेवर को जब्त किया गया है। ईडी ने कुछ बैंक अधिकारियों को बुलाया था। चर्चा है कि उनकी जांच में मदद ली जा रही है।

इंटर्नशिप करियर की राह बनाए आसान

किसी भी प्रोफेशनल कोर्स का एक अहम हिस्सा बन चुका है इंटर्नशिप। इंटर्नशिप एक ऐसा अवसर है, जो फ्रेशर्स के लिए आकर्षक करियर की राह को सुगम बनाता है। इंटर्नशिप के दौरान उन्हें कॉरपोरेट कार्य का व्यावहारिक अनुभव होता है। ऐसी बातें जो वह केवल अपने कॉलेजों की पाठ्यपुस्तकों में पढ़ते हैं, इंटर्नशिप उसका प्रैक्टिकल है।

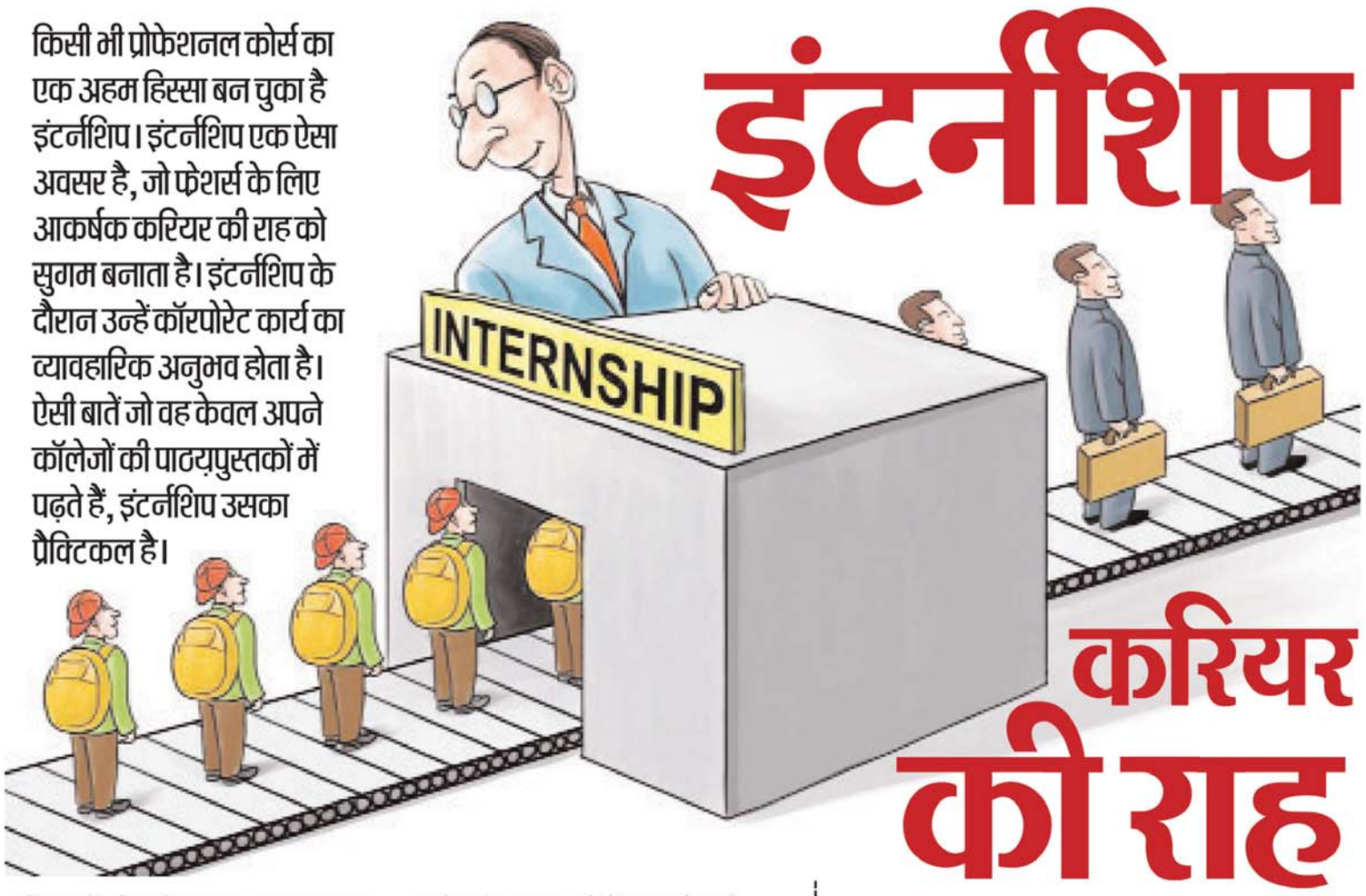

अधिकतर नियुक्तिकर्त्ता इस बात पर सहमत नजर आते हैं कि पाठ्यपुस्तकों की सामग्री काम के लिए उस व्यावहारिक दक्षता को उत्पन्न करने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहती, जो किसी उम्मीदवार के लिए कार्यस्थल पर जरूरी होती है। यही कारण है कि इंटर्नशिप फिर चाहे वह पढ़ाई के दौरान हो या फिर कोर्स पूरा कर लेने के बाद, फ्रेशर्स के लिए बेहद उपयोगी साबित होती है। यदि आप भी बतौर फ्रेशर कहीं इंटर्नशिप कर रहे हैं तो इस अवधि का इस्तेमाल अधिक से अधिक सीखने में लगाएं।

सिद्धांत और व्यवहार में सामंजस्य बनाएं

आपकी पाठ्यपुस्तकें और टर्म असाइनमेंट आपको वास्तविक कार्यस्थिति का अनुभव देने के लिए नमूना भर हैं। किसी संगठन में बतौर इंटर्न आपको यह सीखने को मिलता है कि आपके अन्य सहकर्मी किस तरह विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर काम करते हैं। इस तरह आपको कक्षा में सीखे गए सिद्धांतों को व्यवहार में लागू करने का अवसर मिलता है।

नेटवर्क विकसित करें

करियर की राह में पहले कदम के तौर पर इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत आपको प्रोफेशनल नेटवर्क विकसित करने में मदद मिलती है। बाद के वर्षों में यह बात काफी फायदा पहुंचाने वाली साबित होती है। बतौर इंटर्न और ट्रेनी आपके सहकर्मी आप से अपने अनुभव बेहतर तरीके से बांटते हैं। यानी इंटर्नशिप के दौरान सुनें, सीखें और खुद का विकास करें।

अपने हित व दक्षता को समझो

फुलटाइम करियर बनाने से पहले इंटर्नशिप खुद की कार्य पद्धति, मजबूत और कमजोर पक्ष को क्षेत्र विशेष में सीखने और समझने का अच्छा अवसर है। कार्यस्थल पर काम करके आप यह समझ पाते हैं कि आप किस क्षेत्र में बेहतर काम कर सकते हैं और बाद में आपको किस काम के लिए आवेदन करना चाहिए।

रिज्यूमे को आकर्षक बनाएं

कई ऐसी कंपनियां हैं, जो फ्रेशर्स को अपने यहां रखती हैं और उन्हें प्रशिक्षण देती हैं। इस दृष्टि से इंटर्नशिप अपने रिज्यूमे को आकर्षक बनाने का अच्छा अवसर है। साथ ही आपको अपने दूसरे उम्मीदवारों से आगे निकलने का अवसर भी मिलता है।

मशरूम उत्पादन
युवाओं के लिए बेहतर व्यवसाय

मशरूम यानी खुंबी। इसे गांवों में छतरी व कुकरमुत्ता आदि नामों से जाना जाता है। दरअसल मशरूम को मृत कार्बनिक पदार्थों पर उगने वाला एक मृतजीवी कवक भी कहते हैं। यह खुंबी उत्पादन ग्रामीण युवाओं के लिए अच्छा व घरेलू व्यवसाय साबित हो सकता है।

शैक्षिक योग्यता

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयु सीमा व शैक्षिक ज्ञान संबंधी कोई अनिवार्यता नहीं होती, फिर भी तमाम तकनीकी पहलुओं को समझने के लिए मिडिल या दसवीं पास होना बेहतर है।

पाठयक्रम का स्वरूप

मशरूम उत्पादन में रुचि लेने वाले उम्मीदवारों के लिए देशभर के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों व कृषि अनुसंधान केंद्रों में साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक अवधि के कोर्स संचालित किए जाते हैं। इन पाठयक्रमों का उद्देश्य मशरूम उत्पादन की नई-नई तकनीक व बीजों की अच्छी नस्ल से परिचित कराना है।

विभिन्न किस्में

खुंबियों में एगैरिकस बाइपोरस, वालवैरियल्ला स्पीसिज, प्ल्यूरोटस स्पीसिज, लेन्टाइनस इडोसिस और फलैम्यूलाइना बेल्यूटाइप्स प्रमुख हैं, लेकिन भारत में पहली तीन खुंबियों की खेती की जाती है।

सरकारी ऋण व्यवस्था

मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाने वाले उम्मीदवारों को सरकार व राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता की व्यवस्था यह सहायता कृषि मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा दी जाती है। इसमें पांच लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता का प्रबंध है। गौरतलब है कि मशरूम उत्पादन से जुड़े एससी/ एसटी उम्मीदवारों को सरकारी ऋण में राहत की भी व्यवस्था है।

मशरूम के लिए जलवायु

मशरूम उत्पादन के लिए अलग-अलग जलवायु या वातावरण की आवश्यकता होती है। टेम्परेंट मशरूम के लिए 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान व 70 से 90 फीसदी नमी जरूरी है। इसका उत्पादन अक्तूबर से फरवरी के बीच ठीक रहता है। ऑयस्टर मशरूम के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तथा नमी 80 फीसदी से अधिक होनी चाहिए। इसके उत्पादन के लिए सितम्बर-अक्तूबर का महीना बेहतर माना जाता है। वॉल वैरियल्ला के लिए तापमान 30 से 40 डिग्री सेल्सियस व नमी 80 से ज्यादा होनी चाहिए। इसका उत्पादन अप्रैल से अक्तूबर के बीच किया जाता है। मशरूम उत्पादन में जलवायु का खास महत्व है, अत- इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

मशरूम - पौष्टिक आहार

मशरूम एक पौष्टिक आहार है। इसमें खनिज, लवण, विटामिन तथा एमीनो एसिड जैसे पौष्टिक तत्त्व पाए जाते हैं। मशरूम हृदय रोग एवं मधुमेह जैसी बीमारियों के इलाज में सहायक है। मशरूम में फोलिकएसिड तथा लावणिक तत्त्व पाए जाते हैं, जो खून में लालकण बनाने में मददगार होते हैं।

गृह विज्ञान
आधुनिक महिला का आदर्श करियर

गृह विज्ञान, विज्ञान भी है और कला भी। गृह विज्ञान का करियर आज की प्रगतिशील व आधुनिक खयालों वाली महिला के लिए आदर्श करियर है। उनके लिए बेहतर विकल्प है, जिनके पास सौंदर्य-बोध है, समकालीन कला की समझ है और आधुनिक हाउसकीपिंग को लेकर जिज्ञासा है।

गृह विज्ञान का नाम आते ही एक ऐसे विषय का भान होता है, जिससे घर को बनाने-संवारने में मदद मिलती है। यह विज्ञान भी है और कला भी। गृह विज्ञान का करियर आज की प्रगतिशील व आधुनिक खयालों वाली महिला के लिए आदर्श करियर है। उनके लिए बेहतर विकल्प है, जिनके पास सौंदर्य-बोध है, समकालीन कला की समझ है और आधुनिक हाउसकीपिंग को लेकर जिज्ञासा है। कोई भी गृह विज्ञान के पांच अंगों खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, मानव विकास, वस्त्र विज्ञान और संचार में से किसी में भी विशेषज्ञता हासिल कर सकता है या सबकी सामान्य समझ हासिल कर सकता है।

पाठयक्रम व योग्यता

इसमें स्नातक (ऑनर्स) की डिग्री लेने के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 है, जिसमें विषय के रूप में पीसीबी का होना जरूरी है। पास कोर्स के लिए बारहवीं में वैकल्पिक विषय के रूप में गृह विज्ञान होना चाहिए। स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा के लिए किसी भी विषय से स्नातक होना जरूरी है। उन लोगों को वरीयता दी जाती है, जिन्होंने गृह विज्ञान में स्नातक किया हो। जहां तक व्यक्तिगत गुणों का सवाल है तो अभ्यर्थी में वैज्ञानिक दृष्टि का होना जरूरी है, रचनात्मकता और सौंदर्यबोध होना चाहिए, संवाद कला में निपुण होना चाहिए, घर का काम करने के प्रति स्वाभाविक रुझान होना चाहिए।

कहां हैं अवसर

जिन्होंने गृह विज्ञान से पढ़ाई की है, उन्हें प्रोडक्शन, पर्यटन, सेवा क्षेत्र, अध्यापन, तकनीकी या सेल्स में अवसर मिल सकते हैं।

स्वरोजगार भी एक विकल्प है। इनके अलावा गैर-सरकारी संगठनों में भी अवसर मिलते हैं।

प्रोडक्शन इंडस्ट्री

इसमें शामिल है खाद्य संरक्षण, ड्रेस मेकिंग, स्पेशलाइज्ड कुकिंग, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, फैशन डिजाइनिंग। इनके अलावा फूड इंडस्ट्री में या होटल में भी काम मिल सकता है।

पर्यटन व सेवा क्षेत्र

होटल व हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज में अवसर हैं। अस्पतालों, प्रसूति गृहों, स्लिमिंग सेंटर्स या बोर्डिंग स्कूलों में रोजगार के अवसर खुले हैं। सर्विस इंडस्ट्री में गृह विज्ञान स्नातकों की भारी मांग है।

शोध एवं अध्यापन

फूड साइंटिस्ट, रिसर्च एसोसिएट्स, अध्यापक व व्याख्याता के रूप में भी करियर विकल्प मौजूद हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों व कॉलेजों में अध्यापन का काम किया जा सकता है।

सेल्स एवं टेक्निकल

खाद्य उत्पादों, बेबी फूड्स, गारमेंट्स की सेल्स लाइन में भी काम मिल सकता है। इसके अलावा फूड एनालिस्ट, फूड साइंटिस्ट, डेमोंस्ट्रेटर्स के रूप में भी अवसरों की कमी नहीं है।

क्या है कमाई

गृह विज्ञान की पढ़ाई करने वाले को न्यूनतम 10,000 रुपये की नौकरी मिल सकती है। सारा दारोमदार अभ्यर्थी की व्यक्तिगत दक्षता पर है कि वह खुद को किस तरह पेश करता है। अनुभव के साथ-साथ वेतन में भी बढ़ोत्तरी होती है।

कॉरपोरेट जगत में करियर की राह
क्लैट

कॉरपोरेट जगत हो निजी कंपनी या उद्योग, इसे आगे ले जाने के लिए कानून के दांवपेच जानना जरूरी है। इसके लिए देश में जगह-जगह लॉ अधिकारी, विधि विशेषज्ञ और उसके जानकार रखे जाते हैं। लेकिन इस पेशे में आने या इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए अच्छे-खासे हुनर की भी जरूरत पड़ती है। तीन साल की एलएलबी और उच्च स्तर पर एलएलएम की डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ ही कानून की धाराएं और उससे जुड़े मामलों का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। इस तरह की जरूरतों को देखते हुए ही देश में जगह-जगह लॉ स्कूल और विश्वविद्यालय खोले गए हैं। इनमें दाखिले के लिए अब अलग-अलग टैस्ट देने की बजाय कैट, मैट की तर्ज पर क्लैट शुरू किया गया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पहल पर तैयार किया गया कॉमन ला एडमिशन टैस्ट अब एक ही प्रवेश परीक्षा के जरिए लॉ यूनिवर्सिटीज में दाखिले का दरवाजा दिखाएगा।

टैस्ट की रूपरेखा

राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रवेश परीक्षा में 12वीं पास छात्रों के लिए दो घंटे का पेपर होगा। यह दो सौ अंकों और दो सौ सवालों से लैस होगा। इसमें अंग्रेजी कॉम्प्रिहेंशन से जुड़े सवाल 40 अंकों के, सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स के प्रश्न 50 अंकों के, गणित के प्रश्न 20 अंकों के और लॉजिकल रीजनिंग और लीगल अवेयरनेस के सवाल क्रमश- 45-45 अंकों के होंगे। अंग्रेजी कॉम्प्रिहेंशन में छात्रों की भाषा और व्याकरण की परख की जाएगी। कॉम्प्रिहेंशन पर आधारित शब्दों के अर्थ और उसके इस्तेमाल के बारे में पूछताछ की जाएगी। खाली जगहों को भरना होगा। वाक्य-विन्यास को सही करना होगा। उपयुक्त शब्दों के चयन से जुड़े सवाल होंगे। सामान्य ज्ञान या समसामयिक घटनाओं की परख के तहत पिछले एक साल से मीडिया में चर्चित घटनाओं और उनसे जुड़े प्रसंगों के बारे में ज्ञान की परख की जाएगी। गणित एलिमेंटरी स्तर का होगा, यानी खासकर दसवीं स्तर तक। लीगल एप्टीट्यूड और लीगल अवेयरनेस में छात्रों से लीगल तर्क की समझ की परख की जाएगी। इसमें ज्ञान की बजाय उनकी व्यावहारिक या आधारभूत समझ को देखा जाएगा। दो वर्षीय एलएलएम में दाखिला पाने के इच्छुक स्नातक पास छात्रों का भी दो घंटे का और दो सौ अंकों का पेपर होगा। इनमें लॉ ऑफ कांट्रेक्ट, लॉ ऑफ टार्ट्स, क्रिमिनल लॉ, संवैधानिक लॉ और लीगल थ्योरी के क्षेत्र से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। इसमें प्रश्नों की संख्या 102 होगी। दो सवाल विवरणात्मक या निबंध की तरह के होंगे। इसके लिए 50-50 अंक निर्धारित हैं। अन्य सभी वस्तुनिष्ठ 100 सवाल एक एक अंक के निर्धारित हैं। दाखिला पाने के बाद छात्रों को पांच साल के कोर्स में स्नातक से जुड़े विषय और कानूनी पहलू से जुड़े पेपर के बारे में विशेष रूप से बताया जाएगा। इसे करने के बाद छात्रों को अलग से स्नातक करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें एलएलबी और स्नातक, दोनों की डिग्री शामिल है।

दाखिले की योग्यता

पांच वर्षीय एलएलबी में 12वीं पास छात्रों को आर्ट्स, कॉमर्स या साइंस में 50 फीसदी अंकों के साथ उतीर्ण होना अनिवार्य है। इसी तरह दो वर्षीय एलएलएम में एलएलबी 55 फीसदी अंकों के साथ उतीर्ण होना अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम अंक में 5 फीसदी की छूट है।

कहां मिलेगा दाखिला

टैस्ट में सफल होने वाले छात्रों को देश की 11 लॉ यूनिवर्सिटीज में दाखिला लेने का मौका मिलेगा। इनमें नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू, नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट भोपाल, वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी गांधीनगर, राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटियाला, चाणक्य लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस लीगल स्टडीज, कोच्चि शामिल हैं।

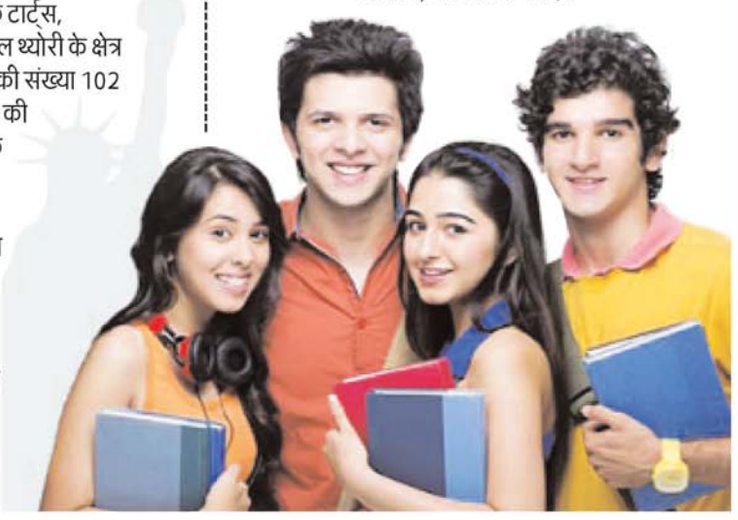

सार-समाचार

नवनीत प्राथमिक उपभोक्ता भंडार सहकारी समिति का निर्वाचन कार्य म जारी

बिलासपुर :- छ.ग. राज्य सहकारी निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार श्रीमती ममता रायकर को नवनीत प्राथमिक उपभोक्ता भंडार सहाकारी सोसायटी मर्या. कतियापारा बिलासपुर का रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नियोजन पत्र की प्राप्ति 2 सितम्बर, आमसभा, मतदान, मतगणना 9 सितम्बर एवं 19 सितम्बर को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों का निर्वाचन सम्पन्न कराया जायेगा।

मार्डन कालेज कोरबा में मतदाता जागरूकता के लिए दिलाई गई शपथ

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र हेतु स्वीप कार्यक्रम हेतु नियुक्त नोडल अधिकारी निगम के अपर आयुक्त श्री खजांची कुम्हार ने बुधवार टी.पी.नगर कोरबा स्थित मार्डन कालेज में स्वच्छता एवं '' स्वीप '' कार्यक्रम मतदाता जागरूकता हेतु छात्र-छात्राओं को शपथ ग्रहण कराया तथा अनिवार्य मतदान हेतु स्वयं भी जागरूक होने तथा आम मतदाताओं को जागरूक करने का संकल्प दिलाया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सौरभ कुमार के मार्गदर्शन एवं निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में मतदाता जागरूकता का अभियान '' स्वीप '' कार्यक्रम के अंतर्गत चलाया जा रहा है, यह अभियान निगम क्षेत्र में 22 अगस्त से 29 अगस्त 2023 तक संचालित होगा। यहाँ उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर के द्वारा जारी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम '' स्वीप '' अतंर्गत नगरीय क्षेत्र कोरबा हेतु निगम के अपर आयुक्त श्री खजांची कुम्हार को नगर पालिक निगम कोरबा का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत भिन्न-भिन्न जोन '' स्वीप '' कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिन-जिन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम है, उन क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता रथ के माध्यम से हर मतदान केन्द्र एवं वार्ड में डोर-टू-डोर संपर्क कर मतदान के प्रति लोगों को जागरूक किया रहा है। इसी कड़ी में नोडल अधिकारी श्री खजांची कुम्हार ने टी.पी.नगर कोरबा स्थित मार्डन कालेज में स्वच्छता एवं '' स्वीप '' कार्यक्रम मतदाता जागरूकता हेतु शपथ ग्रहण कराई तथा अनिवार्य रूप से मतदान करने, मतदान के प्रति स्वयं जागरूक होने तथा आम मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलाया। इस मौके पर निगम के राजस्व निरीक्षक अजय अग्रवाल, मार्डन कालेज के डायरेक्टर बहाउदीन अहमद, प्राचार्य एवं अन्य प्रध्यापकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

लायंस इंटरनेशनल रीजन डेजी की प्रथम आफिसर्स मिटिंग संकल्प उरगा में आयोजित

कोरबा। लायंस इंटरनेशनल रीजन डेजी की प्रथम रीजन आफिसर्स मिटिंग संकल्प, क्लबो के प्रमुख पदाधिकारियों पीटीएसटी की स्कूलिंग एवं रिजिनल लीडरशिप वर्कशॉप का आयोजन लायंस क्लब बालको के आतिथ्य में मीरा रिसोर्ट उरगा कोरबा में किया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन कर सभा प्रारंभ की घोषणा की गई ध्वज वंदना लायंस क्लब बालको के कोशाध्यक्ष ला रितेश केडिया द्वारा किया गया। विश्व शांति हेतु मौन के पश्चात कार्यक्रम में आए विभिन्न क्लबो के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोसाध्यक्षो, क्लब एवं डिस्ट्रिक्ट चेयर पर्सन व उपस्थित पदाधिकारियों का सदन में परिचय लिया गया। स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रीजन चैयरपर्सन लायन पवन शर्मा ने तत्पश्चात जोन चैयरपर्सन ला घनश्याम शर्मा, ला एस के अग्रवाल, ला सुरेंद्र डनसेना द्वारा उनके अंतर्गत आने वाले क्लबो की जानकारी एवं सेवा कार्यो के आगामी लक्ष्यों की जानकारी ली। सभी क्लबो के अधिकारियों द्वारा विभिन्न विषयों पर जानकारी एवं उनसे उनके लक्ष्यों पर चर्चा की गई की उन्होंने क्लब स्तर पर क्या गतिविधिया की है जीएलटी ला शिव जायसवाल जीएमटी ला राजेश अग्रवाल जीएसटी ला कामायनी दुबे जीईटी ला परमानंद अग्रवाल एवं जीएटी कॉर्डिनेटर ला पवन अग्रवाल द्वारा अपने कार्यो की जानकारी एवं परिचर्चा की गई तत्पश्चात डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन द्वारा अपने किये हुए कार्य पर प्रतिवेदन एवं उन पर चर्चा की गई। रीजन चैयरमेन ला पवन शर्मा ने क्लबो द्वारा अब तक किये गए कार्यो की समीक्षा करते हुए क्लबो को बधाई दी साथ ही साथ कहा की पीड़ित मानवता की सेवा में लायंस इंटरनेशनल विश्व मे सर्वाधिक विशाल एवं विश्वसनीय संस्थान है हमे गर्व होना चाहिए कि हम 208 देशो के 13 लाख 60 लायनो ने सिर्फ 50 दिनों में 5 करोड़ 23 लाख लोगों की सेवा कर दी है इसमें हमारे रीजन का योगदान 24887 व्यक्तियों को लाभ पहुचाने का है। उन्होंने कहा हमारा रीजन न्यूनतम मूल्यों में उच्चतम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पूरे भारतवर्ष में प्रसिद्ध है हमारे यहां 6 स्कूलों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों के छात्रों को न्यूनतम मूल्य में उच्चतम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विगत 40 वर्षों से प्रदान की जा रही है किंतु वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप अब हमे हमारे क्षेत्रों में पुन: जरूरतों का आंकलन करना होगा और उसके अनुसार जब हम कार्य करेंगे तो हमारी सेवाओ का प्रभाव भी दुगना होगा। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट के लक्ष्यों के साथ तालमेल बैठाते हुए लायंस इंटरनेशनल के प्रमुख क्षेत्रों पर्यावरण, भूख से निजात, डायबिटीज, विजन अंधत्व निवारण, चाइल्डहुड कैंसर एवं युवा पीढी के विकास एवं मार्गर्शन को अपने प्रमुख लक्ष्यों में शामिल करते हुए ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष ने ली समीक्षा बैठक

अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए संवेदनशील होकर करें कार्य : श्री के.पी. खाण्डे

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचे

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर/छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष के.पी. खाण्डे ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अनुसूचित जाति से संबंधित विकास कार्यक्रमों, योजनाओं, समस्याओं और प्रकरणों की गहन समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के प्रति संवेदनशील होकर कार्य करें और उन्हें मुख्यधारा से लाभान्वित करने में मददगार बनें। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचे यही हमारा ध्येय है।

बैठक की शुरूआत में श्री खांडे ने आयोग की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग एक संवैधानिक संस्था है। इस वर्ग के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के साथ ही इस वर्ग के साथ होने वाले अन्याय पर अंकुश लगाना और पीड़ितों का न्याय दिलाना आयोग की प्राथकिमताओं में है। आयोग विशेष न्यायालय के रूप में कार्य करती है और आयोग की अनुशंसा को मानने की बाध्यता है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक या आर्थिक रूप से गैर अनुसूचित जाति के व्यक्ति द्वारा प्रताड़ित किया जाता है तो ऐसे मामलों का प्राथमिकता से निराकरण करें। उन्होंने योजनावार अनुसूचित जाति वर्ग के लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी ली। खाद्य विभाग से राशनकार्ड की जानकारी लेते हुए समय पर राशन के भण्डारण एवं उठाव करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग से विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी लेते हुए स्कूलों में अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या और सरस्वती सायकल योजना का लाभ जिले की पात्र छात्राओं को दिलाने के निर्देश दिए। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि छात्रावास आश्रमों में बच्चों को योजनाओं का लाभ निर्धारित नियमों के अनुसार मिलना चाहिए। समाज में अस्पृश्यता निवारण के लिए महत्वपूर्ण अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। अजाक पुलिस थानों में निर्धारित पदों पर पुलिस अधिकारियों की पदस्थापना और पीड़ित पक्ष द्वारा कार्रवाई हेतु दिये जाने वाले शिकायत पत्र के आधार पर अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज करने तथा नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। श्री खाण्डे ने हितग्राहियों को दिए गए कौशल प्रशिक्षण की भी जानकारी ली। उन्होंने बैठक में कृषि, वन, शिक्षा, महिला बाल विकास, मत्स्य, पशुपालन, उद्यान सहित अन्य विभागों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को विभाग में संचालित योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु सहयोग करने की अपील की। बैठक में छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति आयोग के सचिव बीएल बंजारे, एडीएम आरए कुरूवंशी, सुंदरलाल जोगी, चेतन चंदेल सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

तखतपुर एवं मस्तूरी में किया गया ईवीएम मशीन का प्रदर्शन

मशीन से मतदान करने की प्रक्रिया को ग्रामीणों ने जाना

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर/ 25 अगस्त 2023 को शत प्रतिशत मतदान को लेकर हर एक वर्ग अपनी सहभागिता निभा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदाताओं की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्वीप की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में मतदाता जागरूकता के लिए जिले के विकासखण्डों में ईवीएम मशीनों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी क्रम में तखतपुर के शासकीय जेएमपी महाविद्यालय में ईवीएम मशीन का प्रदर्शन एवं स्वीप कार्यक्रम के तहत एनएसएस के स्वयंसेवक मतदाता जागरूकता अभियान में शामिल हुए। मस्तूरी विकासखण्ड के शासकीय मदन लाल शुक्ल महाविद्यालय सीपत में भी आम जनता के बीच ईवीएम मशीन प्रदर्शन हेतु रखा गया। क्षेत्र के आम नागरिकों एवं ग्रामीणों ने इस दौरान मशीन की कार्यप्रणाली को बारीकी से देखा और समझा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों ने ईवीएम मशीन के संबंध में उपस्थित कर्मचारियों से जानकारी ली।

जिले के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में ईवीएम प्रदर्शन वैन के द्वारा गांव-गांव एवं हाट बाजारों में घूम-घूमकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने इसका वैसे ही इस्तेमाल करके देखा जैसे कि वे वास्तविक मतदान के दौरान करेंगे। मशीनों के संबंध में लोगों की जिज्ञासा एवं भ्रांतियों का समाधान किया जा रहा है। गौरतलब है कि आगामी विधानसभा निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए जिले के आम नागरिकों के बीच स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किये जा रहे है।

मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर/ 25 अगस्त 2023 को जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना के अंतर्गत शिक्षित युवाओं से 15 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। इस योजना के तहत शिक्षित युवक-युवतियों को विनिर्माण उद्यम हेतु 25 लाख रूपए, सेवा हेतु 10 लाख रूपए एवं व्यवसाय हेतु 2 लाख रूपए की ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए आवेदक को छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी होने के साथ ही न्यूनतम 8वीं उत्तीर्ण होना चाहिए। सामान्य वर्ग के पुरूष की आयु आवेदन की तिथि को 18 से 35 वर्ष के मध्य होना चाहिए और अन्य वर्गों हेतु अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 3लाख रूपए से अधिक नहीं होना चाहिए। इच्छुक आवेदक निर्धारित आवेदन प्रपत्र कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, न्यू कंपोजिट बिल्डिंग, प्रथम तल से प्राप्त कर सकते हैं।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के मुख्य महाप्रबंधक ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना के अंतर्गत सामान्य वर्ग को बैंक द्वारा स्वीकृत परियोजना लागत का 10 प्रतिशत अधिकतम 1 लाख रूपए तक, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, नक्सल प्रभावित आवेदकों को बैंक द्वारा स्वीकृत परियोजना लागत का 15 प्रतिशत अधिकतम 1 लाख 50 हजार रूपए तक एवं अनुसूचित जाति तथा जनजाति के आवेदक को बैंक द्वारा स्वीकृत परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम 1 लाख 50 हजार रूपए तक के मार्जिन मनी अनुदान की पात्रता होगी। आवेदक अपना आवेदन पत्र 15 सितंबर 2023 तक मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, न्यू कंपोजिट बिल्डिंग, प्रथम तल में जमा कर सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए प्रबंधक सुनील पाण्डेय (मो.नं.-7898609895), प्रबंधक नरेन्द्र साहू (मो.नं.-8319989622) एवं कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 07752-250082-83 से संपर्क कर सकते हैं।

खपरी में मनाया गया हर घर जल उत्सव

124 घरों में नलों के जरिए प्रदाय किया जा रहा है शुद्ध जल

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर/ 25 अगस्त 2023 को जिले में जल जीवन मिशन के तहत विकासखण्ड मस्तूरी के ग्राम पंचायत लिमतरा के आश्रित ग्राम खपरी में हर घर जल उत्सव मनाया गया। ग्राम खपरी के 124 घरों में पानी टंकी के माध्यम से नल द्वारा शुद्ध जल प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम में सरपंच द्वारा नलजल योजना के महत्व एवं जल सरंक्षण के रख-रखाव के बारे में ग्रामवासियों को जानकारी दी गई। पानी के दुरूपयोग को रोकने हेतु सोक्ता गड्ढा एवं किचन गार्डन बनाने हेतु जोर दिया गया। गांव में सभी घरों, स्कूलों एवं आंगनबाड़ी में भी टेप-नल का कनेक्शन दिया गया। साथ ही जलकर शुल्क हेतु 50 रूपये प्रतिमाह निर्धारित किया गया। इस प्रकार विकासखण्ड मस्तूरी के ग्राम पंचायत लिमतरा के आश्रित ग्राम खपरी में 124 घरेलु कनेक्शन के साथ हर घर जल घोषित किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामवासी, आई.एस.ए. के नोडल अधिकारी एवं उपअभियंता प्रमोद महतो, जिला समन्वयक एवं ग्राम के सरपंच, सचिव, उपसरपंच आदि उपस्थित थे।

पट्टा वितरण की मांग को लेकर भाजपा करेगी आंदोलन

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी ने जिले में पट्टा वितरण की मांग को लेकर आंदोलन करने का निर्णय लिया है। इसे लेकर तिलक भवन में भाजपा के पदाधिकारियों ने कहा कि कांग्रेस की सरकार अपने वादे को भूल चुकी है। इसी वजह से यह आंदोलन किया जा रहा है। घंटाघर मैदान में सभा के बाद लोगों से प्राप्त आवेदनों को कलेक्ट्रेट में सौंपा जाएगा।

कोरबा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी लखनलाल देवांगन ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने पांच वर्ष पूर्व पट्टाधारियों को न्याय देने की घोषणा की थी लेकिन आज तक एक भी लोगों को पट्टा नहीं मिला है। हमारी मांग है कि सभी लोगों को इसका लाभ मिले। इसी तरह पीएम आवास के मामले में भी कांग्रेस सरकार फिस्डी साबित हुई है। इसी को लेकर यह आंदोलन किया जा रहा है। विश्वकर्मा, पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित बिहार से पहुंची भाजपा विधायक गायत्री सिंह ने पत्रकारों के समक्ष कहा कि छत्तीसगढ़ एक संसाधनयुक्त राज्य है। यहां पर विकास की अपार संभावनाएं है लेकिन वर्तमान कांग्रेस की सरकार ने किसी भी क्षेत्र में कोई भी उल्लेखनीय कार्य नहीं किया है।

जिलाध्यक्ष डा राजीव सिंह ने बताया कि 25 अगस्त को घंटाघर मैदान में दोपहर लगभग एक बजे सभा प्रारंभ होगी। जिसमें पहुंचे लोग अपना आवेदन जमा कराएंगे। इसके बाद वक्ता अपनी बात रखेंगे। बाद में रैली की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंच कर आवेदन सहित मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। पत्रवार्ता के दौरान भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मनोज पराशर, लक्ष्मण श्रीवास, महामंत्री टिकेश्वर राठिया, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय अन्य लोग उपस्थित थे।

जिला क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत ''टीबी मुक्त पंचायत'' हेतु पंचायत विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय के साथ बैठक सह कार्यशाला का किया गया आयोजन

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी निर्देशन में जिला क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत ''टीबी मुक्त पंचायत'' हेतु पंचायत विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय के साथ बैठक सह कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत जांजगीर के सभाकक्ष में आहूत की गई। बैठक सह कार्यशाला में पंचायत को टीबी मुक्त घोषित करने के लिए उठाए जाने महत्वपूर्ण कदम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई इसके लिए हमें हर ब्लाक पंचायत, ग्राम पंचायत स्तर पर बैठक आयोजित कर टीबी के लक्षणों के आधार पे संदेहास्पद पाए गए मरीजों का जांच, उपचार, पोषण आहार, डीबीटी आदि बिंदुओ के आधार पर जिले के समस्त पंचायतों में कार्य योजना बनाकर टीबी मुक्त पंचायत किया जाना है।

टीबी मुक्त पंचायत के लिए प्रति हजार जनसंख्या पर 30 या उससे अधिक लोगों का जांच, प्रति हजार जनसंख्या पर एक से कम टीबी का मरीज, टीबी मरीजों का उपचार के सफ्लता का प्रतिशत, टीबी मरीजों का यूडीएसटी, निक्षय पोषण योजना (डीबीटी) का लाभ एवं टीबी मरीज के लिए नि-क्षय मित्र इन शर्तों को पूर्ण करने वाले पंचायत द्वारा दावा अपने ब्लाक के जनपद पंचायत में प्रेषित किया जावेगा। जनपद पंचायत के द्वारा जिला में प्रेषित किया जावेगा जिसे जिला स्तरीय टीम के द्वारा परीक्षण एवं सत्यापन कर कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति को प्रेषित किया जावेगा पश्चात् उपरोक्त वर्णित शर्तों के आधार पर सत्यापन उपरांत चयनित ग्राम पंचायतों को प्रमाण पत्र के साथ महात्मा गांधी की एक प्रतिमा द्वारा ''टीबी मुक्त ग्राम पंचायत'' को सम्मानित किया जावेगा। प्रतिमा का रंग प्रथम वर्ष के लिए कांस्य, द्वितीय वर्ष के लिए रजत एवं लगातार तृतीय वर्ष के लिए स्वर्ण रंग का दिया जावेगा। उक्त प्रमाण पत्र एक वर्ष की वैधता के साथ प्रदाय किया जावेगा।

कार्यशाला में जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, उप संचालक श्री अभिमन्यु साहू, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वाती वंदना सिंह सिसोदिया, डीटीओं डॉ. पी.एस. बैस, डीपीएम श्री उत्कर्ष तिवारी, जिला पंचायत स्वास्थ्य समिति के सभापति श्रीमती कुसुम कमल किशोर साव, जनपद पंचायत बलौदा अध्यक्ष श्रीमती नम्रता कन्हैया राठौर, जनपद पंचायत पामगढ़ अध्यक्ष राजकुमार पटेल, जनपद पंचायत सीईओ पामगढ़ आकांक्षा पांडेय, जनपद पंचायत नवागढ़ से श्यामलाल कंवर, बीएमओ बम्हनीडीह डॉ. आजम्बर सिंह, बीपीएम सुरेश जायसवाल, बीएमओ अकलतरा डॉ. महेन्द्र सोनी, बीपीएम पार्थ प्रताप सिंह, बीएमओ बलौदा डॉ. यू. के. तिवारी, बीपीएम नवागढ़ विजयशंकर निर्मलकर, बीपीएम पामगढ़ अमित शुक्ला, ग्राम पंचायत स्तर से सरपंच एवं सचिव सहित स्वास्थ्य विभाग एवं जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पांडेय जी और किस्सों की दुनिया

व्यंग्य

लालित्य ललित

एक रात पांडेय जी सो रहे थे,बड़े दिनों से उन्होंने नारियल गिरी नहीं खाई थीं।कहां से लाएं,उनके घर से बाजार दूर था और जो एप आजकल प्रचलन में है वे नारियल की गिरी के टुकड़े का पेकेट दिखाते है,उसे देख मन तो ललचाता है लेकिन ऑर्डर करने की इच्छा नहीं होती।

मन में होता है कि नारियल बाजार से लाएं और उसे पहले उधेड़े और फिर धरती का स्पर्श करवा का उससे दो चार करवाएं अपने आपको। छील कर आनंद की प्राप्ति करें।लेकिन साहब कहां होती है! आजकल प्राप्ति!

और लोग ऐसे बईमान हो चुके है उधार लिया भी होगा तो कन्नी काट लेंगे,आपके यहां से गुजरेंगे तक नहीं,बेशक उनके गुजरने की सूचना आ जाएं।बड़े फिज़ूल के लोग है,जरा भी खर्च होना नहीं चाहते,बेशक दूसरे का जनाजा निकालने को आमादा हो जाएं।अजब तमाशा और अजब लोगों की बस्ती है।पता नहीं कहां से ऐसे लोग चले आते हैं।

आइए आपको ऐसे ही एक किस्से से परिचय करवाएं

हमारे एक सगे वाले सरसो के साग टाइप दोस्त अपने बेटे के पास बनारस गए।वहां उनको स्थानीय लिखाड़ टाइप दोस्तों ने घेर लिया। कि झंडू जी आपकी जय हो जो आप राजधानी दिल्ली से हमारे यहां पधारे। हम धन्य हुए।झंडू जी की झंड होते होते बचीं उन्हें लगा कि उनको आज तक पता नहीं था की उन्होंने कब,कहां और किस तरह का न भूलने वाला काम किया; बहरहाल झंडू सिंह फूले नहीं समाए,फूले तो तुलसी राम गड़बड़ सिंह कचौड़ी वाले भी नहीं समाते।क्या कचौड़ी बनाते है,मस्त,स्वादिष्ट ऐसे मसाले डालते है कि पेट भर जाएं और फिर भी कसक बनी रहती है कि यह दिल मांगे मोर।पक्का इलाहाबाद वाले अमरूदों की कसम।अभी पांडेय जी ने तीन अमरूदों के बाल संकरण का उदरस्त किया है,स्वादिष्ट ऐसे जैसे खुद पांडेय जी अमरूद के पेड़ पर गिलहरी के भाई बनके चढ़े हो,जबकि ऐसा कुछ नहीं है,आप लोग वास्तविकता में लौट आइए।

हां तो बात हो रही है झंडू जी को कुछ मित्र लोगों ने घेर लिया और उनकी शान के कसीदे ऐसे पढ़े कि झंडू जी को लगा कि मेरा लिखना धन्य हो गया।

सब मित्र झंडू सिंह को स्थानीय अहाते में लेकर बैठ गए और चखना विमर्श के तले अनेक सत्र चले।और ऐसे चले की बिल बन गया मात्र तीन हजार छह सो पचास।

बर्ताव सिंह महतो ने कहा कि आज आनंद आ गया।क्या बादशाह आदमी है झंडू सिंह जी! और उधर झंडू सिंह भी नशे में अपने आपको किसी लुटी पिटी रियासत का अंतिम महाराजा समझ बैठे थे।

हुआ क्या एक एक कर स्थानीय साहित्य प्रेमी लघुशंका का बहाना करके अंतर्ध्यान हो गए।अब बचे महाराज एकमात्र झंडू सिंह जिसके सामने वेटर आ कर सलाम बजाने लगा।और कह रहा हो कि कुछ और लाऊं!

झंडू सिंह ने कहा कि और किसी चीज की जरूरत नहीं है,अब हम घर चलेंगे।

हमारे मित्र कहां है! वही भुगतान करेंगे।

वेटर ने कहा कि सहाब वे सब तो लघु शंका के बहाने से निकल लिए और बचे आप! भुगतान तो अब आप ही करेंगे।क्योंकि वे सब जाते समय कह गए कि आप उनके गहरे दोस्त है।अब आप बताइए क्या करेंगे आप!

झंडू सिंह की जानी वाकर का नशा हिरन हो गया,लगा कि नकली है,ऐसे कोई कैसे करता है।सब उन्हें घेर कर यहां ले आएं।मुर्ग मुसल्लम, बटर चिकन,मटन रोगन जोश से लेकर चिकन सीक कबाब सब खा पी गए और उन्हें असली वाला मुर्गा बना गए।

मरते क्या न करते।झंडू सिंह ने एक एक कर सभी को फोन लगाया।फोन पर आवाज सुनाई दी।

जो नंबर आप मिला रहे हैं वह नंबर अभी सेवा में नहीं है या नेटवर्क दायरे में नहीं है।

चुनाचे झंडू सिंह फंस गए।यानी उनका चंद्रयान अटक गया।उन्होंने जेब टटोली तो मात्र चार हजार रुपए थे,उसमें से उन्होंने शाम का पैसा चुकाया और यह प्रण लिया कि भविष्य में आगे से कभी भी किसी ऐसी बैठकी की अध्यक्षता नहीं करेंगे जिसमें जेब भी अपनी कटे और पिटने की संभावना भी ज्यों की त्यों खड़ी रहें।वह तो शुक्र हुआ कि मिसेज झंडू सिंह ने कुछ रुपए इस यात्रा के लिए रख दिए थे, कि रख लीजिए काम आ जाएंगे।

कैसे कैसे मित्र होते हैं जो मौके पर देते हैं धोखा! वश्य री दुनिया!वाह ! क्या और कैसे रंग दिखाती है,लगता है सामने वाला किसी गिरगिट से कम रहें,बेशक ज्यादा जरूर हो।

चीकू भी कमाल का है,कहने लगा पापा जी,मुझे अपने कलर्स की बुक लानी है,कुछ पैसे दे दो। पांडेय जी ने झट दो सौ रुपए दे दिए।उधर चंद्रयान सही तरीके से लैंड कर गया,उसके बाद फेसबुकियों की सेना एक्टिव हो गई।राधेलाल ने लिखा आज भारतीय होने का गर्व महसूस कर रहा हूं,लगे है लोग पोस्ट पर कमेंट करने।गर्व की बात तो है।एक हम है और हमारे भारतीय है,कुछ विज्ञानिक काम करते है और कुछ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं

तभी अंतर्मन कुमार ने कहा कि कुछ काम करोगे तो नाम करोगे। पगलेट कहीं के,काहे बधाई,शुभकामनाएं देने में ऊर्जा लगा रहे हो! मसलन अपने को खपा रहे हो!

कुछ नहीं होगा,कोई समझने वाला नहीं।

बहरहाल चीकू को किताब के लिए पैसे दिए थे,वह चंद्रयान की खुशी में चाकलेट ले आया।अजब तमाशा हैअजब दुनिया है।जितना समझाओगे समझ नहीं पाओगे।बहरहाल।

देश तरक्की करेगा तो हर व्यक्ति कामयाब होगा; ऐसा पांडेय जी का मानना है।

आज जब रामखेलावन का फोन आया तो पता चला कि लेखक एक उम्र के बाद अपनी वर्षगांठ,रजत जयंती और स्वर्ण जयंती मनाने को इतना व्याकुल क्यों होता है!

अभी कुछ सोच ही रहे थे कि पांडेय जी क्रियेटिव हो गए,आइए देखते है कि अपने धरती पुत्र ने याइमीन अपने पांडेय जी ने क्या लिखा/

एक लेखक के जीते जी सौ वर्ष / लालित्य ललित

कुछ लोग विरले होते है
जो इस नंबर तक पहुंचते है
अब अगर पहुंच भी जाएंगे
बिना थके
बिना रुके
तो क्या होगा
सोचिए!
उसकी एक ब्रिगेड होगी
जो यह प्लान करेगी
एक आयोजन हो
जिसमें नए पुराने सभी शामिल हो
चाय के बहाने
भोजन के बहाने
एक बैठक होगी
जिसमें कुछ लोग श्रद्धापूर्वक चर्चा करेंगे
कुछ फोटोस लेंगे
कुछ सोशल मीडिया अपडेट करेंगे
लेखक उस समय
फूला नहीं समाएगा
गद गद होगा
उसकी आत्मा भीतर से फूली नहीं समाएगी
उसकी किताबें
उसका लेखन और उसके पाठक
उसका रचनात्मक संसार आने वाली पीढ़ी को
अपना संसार प्रदान करेगी
यह उसकी सोच है
अब एक तस्वीर और
कुछ सहयात्री आएंगे
कुछ नहीं आएंगे
कुछ इस दल के होंगे
कुछ उस दल के होंगे
कुछ की तबियत नासाज होगी
कुछ की पुश्तैनी आदत है
कुछ इग्नोर करेंगे
कुछ यह अटकल लगाएंगे
दोनों तरह का व्यय लगेगा
ऊपर से ट्रैफिक
आने वालों में कुछ विद्यार्थी होंगे
कुछ प्रशंसक होंगे
कुछ घर बैठे होंगे
केवल अपनी शुभकामनाओं से इतिश्री करेंगे
यह सोच कर
दूरियां बहुत है
और ऊपर से हाथ में कई प्रोजेक्ट भी
कुछ यह सोच कर नहीं आएंगे
बुलाने का तरीका ही गलत है
केवल संदेश ही काफी नहीं होता
कायदे से निमंत्रण भी अनिवार्य
इत्यादि
उत्यादी के हेर फेर में घिरी है दुनिया
और
दुनिया के बहुधंधी लोग
दुनिया ऐसे ही चलती है
और चला करती है
हमेशा के लिए
क्या कीजिएगा
यही संसार है
और यही ककहरा भी
निष्कर्षः आप जहां कहीं भी है मस्त रहिए
कुछ भी कीजिए
पर मोहब्बत करना मत भूलिएगा
बस यही विनती
नमस्कार।

पांडेय जी के कानों में सुनाई पड़ रहा था कि आज हिंदुस्तान ने चंद्रयान मिशन फतह कर लिया।लेकिन कहीं बादल फट रहे है,आदमी का गुस्सा शांत नहीं हो रहा।दुनिया में गुस्सा काहे तेजी से बढ़ता हुआ विकराल रूप ले रहा है! सोचने की बात है।

अभी पांडेय जी मेट्रो में चढ़े ही थे कि दरवाजे बंद होने को व्याकुल हुए।बहरहाल पांडेय जी ने चंद्रयान की स्पीड पकड़ी और दरवाजे के भीतर।लोग भला बुरा कहने लगे,क्या जमाना आ गया! बुजुर्ग लोग भी राकेट बनने लगे तो अब जवानों का क्या होगा! सुनते ही पांडेय जी सदमे में आ गए! मन में कहने लगे कि बूढ़ा होगा तेरा बाप! नमाकूल,जाहिल कहीं के,कोई समझता ही नहीं,सालों से कितने वसंत हम ने देखें हैं,जानते ही क्या है! कि प्रेम क्या होता है! और इन्हें देखिए इनकी आंखों में वासना के संक्रमित कीटाणु मंडराते रहते है।बात करते हैं।

तभी अंतर्मन ने समझाया कि कूल पांडेय जी,दिमाग की दही न करो,वैसे भी आप अब उम्र के तीसरे पड़ाव पर हो,ज्यादा कूदोगे तो बल्ड प्रेशर बढ़ता हुआ खतरे के निशान के पहुंच जाएगा,जैसे यमुना के पुल से हथिनी बैराज का जल स्तर!

समझा करो,अब आप।

धीरे धीरे पांडेय जी शांत हुए और एक आम शहरी की तरह आंखें मिच मिचाते हुए मेट्रो में अवलोकन करने लगे।उनकी सोच में सरकार, शहरी लोग घूमने लगे,इससे पहले कुछ और सोचते,उनका स्टेशन आ गया और वे उतर गए,बिना कुछ और सोचे।

दफ्तर में आए तो लल्लू भईया नजर आ गए,कहने लगे,चाय हुआ क्या! अरे! कमाल के लोग है,आए हुए पांच मिनट हुआ नहीं कि चाय हुआ क्या!

मंगवाओ तो समोसा भी मंगवा लेना,सुबह मजेदार लगता है, पांडेय जी सोचने लगे कि लोग दकियानुस होते ही थे,अब कंजूस भी होंगे यह अब पता चला।

अंतर्मन ने कहा कि भइया भांति भांति के लोग है हमारे यहां।इन्हें कहीं भी तलाशने की आवश्कता नहीं होती।ये आपके गली महलले में मिल जाएंगे,रुपए के सेर के भाव।। हद्द है इनकी।

पांडेय जी अब चाय समोसा और उसके मौसा का इंतजार करने लगे,जैसे एक जमाने में वे अपनी प्रेमिका का इंतजार किया करते थे और साहब इंतजार एक ऐसा शब्द है जिसमें ईश्वर का प्रसाद छिपा रहता है,बोलो राधे राधे।

उधर से टिप्सी ने सुन लिया था कि पांडेय जी किस राधे को पुकार रहे है! जरूर इसकी जांच पड़ताल करनी पड़ेगी,कहते हुए वह अपनी लूना पर फर्राटे से निकल गई।

देविका गजोधर कहां है! इसके अनुसंधान पर पांडेय जी ने रामखेलावन को लगा दिया है तो उधर से किसी ने फूल मतिया

को खबर कर दी, कि संभल जाओ,तुम्हारे आदमी के तौर तरीके आजकल ठीक नहीं है,कल उन्हें किसी सुंदर सी महिला के साथ आई एन ए मार्किट में आइस्क्रीम खाते देखा था।बस अब जो धुनाई हुई रामखेलावन की ,उसकी मत पूछो।

यह राष्ट्रीय स्तर का विषय हो गया,जिसमें राधेलाल से लेकर पांडेय जी,महाकवि और टिकू तलसानियां तक बैठक में उपस्थित थे,बैठक का संचालन टिप्सी मुटरेजा ने किया।

फिलहाल फुलमतिया के सुधार अभियान के चलते रामखेलावन बिस्तर पर है,कई जगह से पांव में प्लेक्चर है और फुलमतियां अपने मायके प्रस्थान कर गई है लेकिन वीडियो कॉल पर बनी हुई है ताकि ये कोई दुबारा प्रेमिल हरकत न कर बैठें।

उधर पांडेय जी ने भी फुलमतिया से कहा है कि इस मामले में उनका कोई हाथ नहीं है,यह रामखेलावन का निजी मामला है।

सुनने में आया है कि इस प्रकरण के बाद रामखेलवान के सभी मित्र भूमिगत हो गए है,जब तक मामला ठंडा न हो जाएं।

बेचारा रामखेलावन!

उधर विलायती राम पांडेय,राधेलाल प्रेस कल्ब में अत्यंत गंभीर विषय पर मंथन करते देखे गए।राधेलाल ने वेटर को रिपीट का ऑर्डर दिया और पांडेय जी सर खुजलाते देखे गए जैसे पूरे विश्व की समस्या हल करने का संकल्प उन्होंने ही उठा रखा है।बहरहाल इति कथा और कथा अनंता।

संपादकीय

ब्रिक्स की शिखर बैठक

उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले ब्रिक्स के बाहर के कम-से-कम 23 देशों ने इस समूह से जुड़ने की अर्जी दी है। कयास गया है कि नए रूप में ब्रिक्स अगर एक स्वायत्त व्यापार व्यवस्था कायम करने की तरफ बढ़ा, तो उससे मौजूदा व्यवस्थाएं कमजोर होंगी। पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका- के समूह ब्रिक्स की शिखर बैठक को लेकर जैसी जिज्ञासा अभी देखने को मिल रही है, वैसा 15 साल के इस समूह के इतिहास में कभी नहीं हुआ था। पश्चिमी मीडिया में महीनों से यह चर्चा सुर्खियों में रही है कि मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहानेसबर्ग में शुरू हो रहे तीन दिन के शिखर सम्मेलन से दुनिया पर पश्चिमी वर्चस्व के लिए एक नई चुनौती खड़ी होगी। हालांकि ब्रिक्स देशों ने लगातार यह स्पष्टीकरण दिया है कि यह समूह महज आपसी आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने का मंच है और इसे हार-जीत की सोच के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए, लेकिन पश्चिमी मीडिया में इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है। चूंकि जोहानेसबर्ग में एक बड़ा मुद्दा ब्रिक्स समूह के विस्तार है, इसलिए पश्चिमी देशों के कान खड़े हुए हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले ब्रिक्स के बाहर के कम से कम 23 देशों ने इस समूह से जुड़ने की अर्जी दी है। इनमें सऊदी अरब जैसा धनी और तेल समृद्ध देश भी शामिल है। इससे यह कयास गया है कि नए रूप में ब्रिक्स अगर एक स्वायत्त व्यापार एवं मौद्रिक व्यवस्था कायम करने की तरफ बढ़ा, तो उससे दूसरे विश्व विश्व युद्ध के बाद से चल रही व्यवस्थाएं कमजोर होंगी। बेशक उन व्यवस्थाओं पर अमेरिका का नियंत्रण रहा है। इसके अलावा ब्रिक्स की अपनी करेंसी शुरू करने की चर्चा भी रही है, हालांकि अब संकेत हैं कि यह मुद्दा इस बार एजेंडे पर नहीं है। इसके बजाय ब्रिक्स देश आपसी मुद्राओं में अपने अंतरराष्ट्रीय लेन-देने के भुगतान को बढ़ावा देने पर जोहानेसबर्ग में विचार करेंगे। यह चलन जितना बढ़ेगा, निर्विवाद रूप से उससे अमेरिकी डॉलर का दबदबा कमजोर होगा। यह भी निर्विवाद है कि ब्रिक्स के भीतर चीन की एक प्रभावशाली उपस्थिति है। इस कारण विस्तृत होता ब्रिक्स मंच चीन का प्रभाव रोकने की पश्चिम की कोशिश के विपरीत दिशा में जाएगा। तो कुल मिला कर इस पृष्ठभूमि के बीच ब्रिक्स शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है। लाजिमी है कि वहां होने वाली चर्चाओं और उनके संभावित परिणामों पर दुनिया की निगाह टिकी हुई है।

राजस्थान में नरेंद्र मोदी लड़ रहे चुनाव!

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले नौ वर्षों में किसी प्रदेश (गुजरात व यूपी में भी नहीं) के विधानसभा चुनाव की भाजपा लड़ाई का कंट्रोल अपने पास नहीं रखा। लेकिन राजस्थान का असेंबली चुनाव अपने कंट्रोल में लिया है। हां, राजस्थान में प्रदेश भाजपा या केंद्रीय भाजपा संगठन दिखावे के रोल में है। नरेंद्र मोदी खुद एक-एक बात तय करते हुए हैं। प्रचार-प्रसार और मीडिया प्रबंधन आदि का सारा काम मोदी-जेपी नड्डा कमांड की अधीनस्थ टीमों से होगा। तमाम व्यस्तताओं के बीच नरेंद्र मोदी हर तरह का टेकओवर लिए हुए होंगे। क्यों? कई कारण हैं। एक, आगे के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं जीतने देना। दो, अमित शाह और वसंधुरा राजे का हेडऑन। तीन, मोदी की यह गणित की उनके चेहरे से प्रदेश में आंधी बनेगी। इसलिए मध्य प्रदेश और छतीसगढ़ सीधे अमित शाह की जिम्मेदारी में रहे तो उनके जलवे में की रिस्क नहीं। चार, राजस्थान में कांग्रेस के अंदरूनी हालात। पांच, पिछले तीन विधानसभा चुनाव के आंकड़ों की भाजपा बनाम कांग्रेस तस्वीर। छह, एआईसीसी व प्रदेश कांग्रेस की हवा-हवाई तैयारियां। इन बातों का एक-एक कर खुलासा संक्षेप में संभव नहीं है। मोटा-मोटी यह जानें कि नरेंद्र मोदी पिछले चुनाव के आंकड़ों व अलग-अलग जरियों की सर्वे रिपोर्टों, फीडबैक, जमीनी बारीक जातीय हिसाब पर फैसले लेते हैं। तभी आश्चर्य नहीं जो गुरुवार को उन्होंने मध्य प्रदेश और छतीसगढ़ की क्रमशः उन 39 व 21 सीटों पर उम्मीदवार सबसे पहले घोषित कराए, जिनमें भाजपा लगातार हारती आई है या जात-पात की गणित व कांग्रेज के दिग्गजों का दांव है। दोनों प्रदेशों की लिस्ट में एसटी-एससी या मुस्लिम बहुल क्षेत्र या दिग्विजय सिंह के क्षेत्र, भूपेश बघेल की सीट (जो उम्मीदवार घोषित किए उनके जीतने के अवसर भले कम हो) पर उम्मीदवार देकर यह मैसेज तो बनवा दिया है कि भाजपा सर्वाधिक कमजोर सीटों पर सर्वाधिक तैयारी और फोकस करते हुए है। बतौर उदाहरण मुस्लिम बहुत भोपाल मध्य में भाजपा ने ध्रुवनारायण सिंह को उम्मीदवार बनाया। इस सीट पर कांग्रेस का मुस्लिम विधायक है। कहते है कांग्रेस ने पिछले चुनाव में अपने खांटी पुराने कांग्रेसी मुस्लिम को बदल ओवैसी के कहने पर इसे टिकट दी। पहले 2008 में कांग्रेसी विरासत के ध्रुवनारायण सिंह ने भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता था। बाद में शहला मसूद की हत्या की साजिश में उनका नाम आया तो साइडलाइन हुए। ध्रुवनारायण सिंह की भाजपा में लॉबी नहीं थी। सो, सीबीआई से क्लीन चिट हुई तब भी हाशिए में। प्रदेश नेताओं से नाम नहीं गया हुआ था। तभी कहते हैं जब दिल्ली की बैठक में मोदी-शाह ने ध्रुवनारायण सिंह का नाम रखवाया तो प्रदेश नेताओं ने दबे में ही सही विरोध कर कहा इससे हल्ला बनेगा। पुरानी खबरें ताजा होंगी। लेकिन दो टूक शब्दों में प्रदेश नेताओं की यह कहते हुए बोलती बंद की गई कि जब सीट पर टक्कर लायक दूसरा कोई नहीं है और इससे पार्टी ने एक बार सीट जीती है तो यही उम्मीदवार। क्या इसके खिलाफ अब कोई केस है?ज्नहीं है तो यह फाइनल। जाहिर है किसी टिकटार्थी का कोई इतिहास हो, संघ-भाजपा के विचार-संगठन में बेगाना हो लेकिन मोदी-शाह वही नाम तय कर रहे हैं, जो जीतने की अधिकतम संभावना लिए है। लिस्ट में दिग्विजय सिंह के भाई के आगे जातीय गणित का हिसाब कर इसी एप्रोच में महिला उम्मीदवार को उतारा। ऐसे ही भूपेश बघेल के मुकाबले में उनके भतीजे भाजपा सासंद विजय बघेल को उतारा गया। कुल मिलाकर एक-एक मुश्किल या हारने वाली सीट पर भी मोदी-शाह की घेरेबंदी बहुत निर्मम है। मान सकते हैं कि मोदी-शाह (साथ में जेपी नड्डा-ओम माथुर) माइक्रो लेवल की हर सीट पर दिल्ली से नजर रखेंगे। नरेंद्र मोदी की अपने लेवल की टीम ही राजस्थान की दो सौ सीटों में हर सीट पर न केवल खुद उम्मीदवार तय करेगी, बल्कि यह भी टारगेट होगा कि प्रदेश में तीन बार से लगातार हारती पांच सीटों पर भी भाजपा जीते। पूरा दम लगे। वैसे राजस्थान में भाजपा की लगातार हारने वाली सीटें मध्य प्रदेश के मुकाबले बहुत कम हैं जबकि प्रदेश में बार-बार सरकार बदलती रही है। नोट रखें जैसे मध्य प्रदेश-छतीसगढ़ के प्रदेश नेताओं को दिल्ली बुलाकर उन्हें उम्मीदवार बता दिए गए वैसे ही राजस्थान के नेताओं को बुलाकर लिस्ट थमा दी जाएगी। मोदी-शाह के पास सर्वे, उम्मीदवारों की पैनल और सब नाम लगगभ तय हुए पड़े हैं। सोचें, इस सबके मुकाबले कांग्रेस, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस नेताओं की तैयारियों का क्या हाल है? नरेंद्र मोदी के आगे जहां अकेले अशोक गहलोत को तैयारी करनी है। साधन जुटाने हैं। चुनावी अधिसूचना के तुरंत बाद पाला बदलने वाले टीवी चैनलो, मीडिया को संभालना है तो वही सचिन पायलट और टिकटार्थियों की मारामारी से भी जूझना है। एंटी इनकम्बेसी लिए मंत्रियों-विधायकों के टिकट काटने हैं। नरेंद्र मोदी के कमान संभालने के बाद जयपुर के मीडिया की यह धारणा फालतू है कि वसुंधरा राजे को भाव नहीं देने से चुनाव में भाजपा डूबेगी। और यदि ऐसा पहले था भी तभी तो नरेंद्र मोदी ने कमान संभाली है। ऐसे में आगे क्या -क्या बदलेगा, चुनाव माहौल कैसा बनेगा, यही राजस्थान चुनाव का असल मामला है।

एक वृक्ष भी बचा रहे संसार में...!

सुनील कुमार महला

ओम माली अपनी एक कविता में प्रकृति पर कुछ यूं लिखते हैं -'जब स्वार्थों से भर जाएंगे घर-घर, मन-धरा भी जब हो जाएगी बंजर। तब-तब आसमां भी बरसाएगा अग्नि, मृत्यु-तांडव सा चहुँओर होगा मंजर ।तुम प्रकृति का करते रहोगे अति दोहन, शमशीरें बन मेघों से बरसेगी बिजलियाँ।तो कैसे सुरक्षित रह पाएगी यह दुनिया ?' आज जंगल के जंगल काटे जा रहे हैं, ग्लोबल वार्मिंग की समस्या जन्म ले चुकी है। धरती के पारिस्थितिकी तंत्र में आमूलचूल परिवर्तन आ गये हैं, वन्य जीवों, वनस्पतियां आदि का हम संरक्षण नहीं कर पा रहे हैं। सच तो यह है कि आज प्राकृतिक असंतुलन के कारण हम ग्लोबल वार्मिंग, विभिन्न बीमारियों, महामारियों , विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं, तापमान में वृद्धि(ग्लोबल वार्मिंग) आदि जैसी विभिन्न समस्याओं का लगातार सामना कर रहे हैं। हमारीअगली पीढ़ी के लिए प्रकृति का संरक्षण आज बहुत ही आवश्यक व जरूरी हो गया है। इसलिए, संसाधनों को बचाने के महत्व को समझने, इसे रीसायकल करने, इसे संरक्षित करने और उन्हें नुकसान पहुंचाने के कारण होने वाले दुष्परिणामों को समझने के लिए दुनिया भर के लोगों में जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है।हमें उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करना चाहिए और इसे बर्बाद नहीं करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी भी इनका उपयोग, उपभोग कर सके। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज मानवजाति पर प्रकृति का खतरा लगातार मंडरा रहा है, क्यों कि मानव ने अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए जंगल के जंगल काट लिए हैं, हर तरफजहां देखो कंक्रीट ही कंक्रीट की दीवारें आज खड़ी नजर आती हैं। प्रकृति और विकास के बीच आज सामंजस्य स्थापित करने की आवश्यकता है। याद रखिए कि प्रकृति ने हमें पानी, हवा, मिट्टी, खनिज, पेड़, जानवर, भोजन आदि जैसी जीने के लिए बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान की हैं। इसलिए हमें प्रकृति को स्वच्छ और स्वस्थ तो रखना ही चाहिए। प्रकृति का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसकी बिगड़ती स्थिति के लिए औद्योगिक विकास सहित कई अन्य मानवजनित कारक जिम्मेदार हैं। हम जो कुछ भी करते हैं, वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रकृति को प्रभावित करता है। इसीलिए हमें किसी प्रकार का क़दम उठाने से पहले सोचना चाहिए कि इससे प्रकृति पर कोई नकारात्मक प्रभाव तो नहीं पड़ेगा। आज बढ़ती आबादी के बीच प्रकृति के विभिन्न संसाधनों का मानव ने इस कदर दोहन किया है कि अब प्रकृति का तांडव रूप मानव को देखने को मिल रहा है। कहीं पर बाढ़ है तो कहीं पर सूखा, कहीं पर भू-स्खलन हो रहे हैं तो कहीं पर भूकंप आ रहे हैं। कहीं पर ज्वालामुखी फट रहे हैं तो कहीं सुनामी देखने को मिल रही है। धरती के तापमान में लगातार परिवर्तन तो हो ही रहा है, बढ़ते तापमान के कारण आज अनेक ग्लेशियर पिघल रहे हैं और ग्लोबल वार्मिंग से मानवजाति का अस्तित्व लगातार खतरे की ओर बढ़ता चला जा रहा है। यदि मानव जल्द ही नहीं संभला तो आने वाले समय में प्रकृति का घोर रौद्र रूप मानव को देखने को मिलेगा, इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता है। विकास के नाम पर मनुष्य ने प्रकृति को कहीं का भी नहीं छोड़ा है। मनुष्य सिर्फ़और सिर्फ़अपनी तरक्की चाहता है, सहूलियतें चाहता है, उसे सिर्फ और सिर्फविकास चाहिए लेकिन क्या विकास और तरक्की के साथ ही मनुष्य को यह नहीं चाहिए कि वह प्रकृति से तालमेल बिठाकर, सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ें ? मनुष्य चाहे कितनी भी तरक्की, विकास, उन्नति क्यों न कर लें, विज्ञान और तकनीक चाहे कितनी ही आगे क्यों न चली जाए, लेकिन प्रकृति के आगे तो मनुष्य सदैव बौना ही रहेगा। सच तो यह है कि प्रकृति की शक्ति का मनुष्य के पास बस एक ही तोड़ है और वह यह है कि मनुष्य प्रकृति का, इसके समस्त संसाधनों का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करें, प्रकृति का हर हाल और परिस्थितियों में संरक्षण करें,इसकी रक्षा करें। हमें यह बात याद रखनी चाहिए कि धरती पर जीवन जीने के लिये ईश्वर से हमें बहुमूल्य और कीमती उपहार के रुप में प्रकृति मिली है। दैनिक जीवन के लिये उपलब्ध सभी संसाधनों द्वारा प्रकृति हमारे जीवन को बहुत ही आसान व सरल बना देती है। एक माँ की तरह हमारा लालन-पालन, हमारी मदद(हमें विभिन्न संसाधनों को उपलब्ध कराती है) करती है। वास्तव में हमें प्रकृति का धन्यवाद करना चाहिए कि इसी प्रकृति के कारण से हम मानवों का इस मानवजाति का अस्तित्व संभव हो सका है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश और पंजाब में बारिश और बाढ़ का तबाही अलर्ट जारी किया गया है। इस बार मानसून खूब बरसा। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में या यूं कहें कि समस्त भारत में ही बहुत जोरदार बारिश हुई। इससे जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। हिमाचल प्रदेश में तो बहुत अधिक तबाही देखने को मिली, वर्तमान में भी यह जारी है। पंजाब, उत्तराखंड ने भी बहुत नुक्सान व परेशानियों को झेला। हाल ही में हिमाचल के कुल्लू में भूस्खलन के कारण नये अड्डे के पास सात बहुमंजिला इमारतें अचानक ध्वस्त हो गई और नये अड्डे पर जमा अनेक सवारियों को अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा। लेकिन अच्छी बात यह रही कि इसमें कोई भी जनहानि नहीं हुई। बहरहाल, मनुष्य को यह चाहिए कि वह धरती पर उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करें, क्यों कि बढ़ती आबादी के साथ मनुष्य की जरूरतों में भी लगातार इजाफा हो रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि प्राकृतिक संसाधन वास्तव में वे संसाधन हैं जो पृथ्वी पर प्राकृतिक रूप से घटित होती है। वास्तव में यह हमारे जीवन का एक अनिवार्य व अभूतपूर्व हिस्सा है। इसमें हवा, पानी, सूरज की रोशनी, कोयला , पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, जीवाश्म ईंधन, तेल आदि शामिल हैं। हालांकि, अपने आर्थिक लाभ के लिए मनुष्यों द्वारा इनका शोषण किया जाता है। आज अत्यधिक उपयोग के कारण विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों का लगातार ह्रास हो रहा है। इनमें से कुछ संसाधन नवीनीकरण की क्षमता के साथ प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि प्राकृतिक संसाधन सृष्टि के लिए उपहार हैं। ये विभिन्न मानवीय आवश्यकताओं को पूर्णतः संतुष्ट करने में सहायता करते हैं। इसके अलावा, प्राकृतिक संसाधनों का तर्कसंगत उपयोग पृथ्वी के वायुमंडल को भी सही बनाए रखता है। साथ ही, विवेकपूर्ण उपयोग से जैव-विविधता का संरक्षण होता है। प्राकृतिक संसाधनों के बिना मनुष्य अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकता है। अतः इसका संरक्षण बहुत ही आवश्यक है। बहरहाल,आधुनिक भारत में नवीनीकरण व औद्योगिककरण से विकास ने देश के पर्यावरण को इस तरह दूषित कर दिया है, कि मानव जाति का संपूर्ण जीवन ही संकट में आ चुका है।याद रखिए कि पर्यावरण का मानव जीवन से सीधा संबंध है। इसलिए पर्यावरण को हानि पहुंचेगी तो मानव जीवन भी कलुषित हो जाएगा। हम आज पहाड़ों को काट रहे हैं, विकास के नाम पर सड़कें,बांध, बिजली, पुल, सुरंगों को बना रहे हैं लेकिन पर्यावरण के साथ सामंजस्य नहीं बिठा रहे हैं। हमें अपने स्वार्थों और लालच से मतलब रह गया है, प्रकृति के संसाधनों के संरक्षण के बारे में हम विरले ही सोचते हैं। सच तो यह है कि प्रकृति, धरती पर उपलब्ध विभिन्न संसाधन और हमारा पर्यावरण ही हमारे जीवन और अस्तित्व का असली आधार हैं। अंत में नरेश सक्सेना जी के शब्दों में बस यही कहूंगा कि -'अंतिम समय जब कोई नहीं जाएगा साथ, एक वृक्ष जाएगा, अपनी गौरैयों-गिलहरियों से बिछुड़कर,साथ जाएगा एक वृक्ष,अग्नि में प्रवेश करेगा वही मुझ से पहले,' कितनी लकड़ी लगेगी', शमशान की टालवाला पूछेगा, ग़रीब से ग़रीब भी सात मन तो लेता ही है, लिखता हूँ अंतिम इच्छाओं में, कि बिजली के दाहघर में हो मेरा संस्कार, ताकि मेरे बाद, एक बेटे और एक बेटी के साथ, एक वृक्ष भी बचा रहे संसार में।'

सार-समाचार

शक्कर कारखाना केरता में मतदाता जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

नन्दू यादव

सूरजपुर/भारत भास्कर/ प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम केरता के महामाया शक्कर कारखाने में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला परियोजना अधिकारी साक्षर भारत श्री रोहित सोनी की उपस्थिति में, शुगर मिल के मजदूरों को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। मतदान क्यों आवश्यक है इस बात की जानकारी दिया गया। शुगर मिल के अधिकारी कर्मचारियों का भव्य मानव श्रृंखला बनाकर शपथ दिलाया गया कि भारत के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने में हर मतदाता की भूमिका अहम होती है, जाति धर्म, सम्प्रदाय से ऊपर उठकर एक मजबूत आधारशिला रखने में मतदाता ही प्रमुख है। इस कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश मोहन मिश्रा, ब्लाक परियोजना अधिकारी साक्षर भारत द्वारा किया गया शक्कर कारखाने के जी एम श्री आकाशदीप पात्रा, मैनेजर वित्त श्री बर्मन जी डी एम श्रीमती मिंज तथा मिल के समस्त अधिकारी कर्मचारी इस अभियान में उत्साह पूर्वक अपना समय दिया और मतदान करने हेतु आगामी निर्वाचन में अपनी सहमति प्रदान की।

शिवनाथ नदी मुक्ति धाम मार्ग चौड़ीकरण कार्य का महापौर ने किया निरीक्षण

दुर्ग। नगर निगम सीमा अंतर्गत विधायक अरुण वोरा और महापौर धीरज बाकलीवाल शहर को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर हमर दुर्ग ब्रांड स्थापित करने लगातार प्रयासरत है जिसके लिए शिवनाथ नदी मुक्तिधाम से लेकर नयापारा मोड़ तक सीमेंटीकरण कार्य का विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल ने लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी व अधिकारियों के साथ निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण कर शिवनाथ नदी महमरा मार्ग पर चौड़ीकरण कार्यो को लेकर कार्य मे तेजी लाने की बात मौजूद अधिकारियों से कही। उन्होंने अधिकारियों को कार्यो में सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से जल्द पूर्ण करवाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि मुक्तिधाम महमरा के उबड़खाबड़ सड़क और बारिश के दौरान सड़को पर पानी भर जाने से मिलेगी मुक्ति,आवाजाही होगी सुगम। मूलभूत विकास निर्माण कार्य के लिए पैसे की कमी नहीं होगी। लोगों की जरुरत सुविधाओं को देखते हुये विकास एवम निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निगम शहर में सड़क सीमेंटीकरण कार्य, डामरीकरण एवं अन्य विकास निर्माण कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। इस विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में जनता के सुगम आवागमन व सुख सुविधाओं को ध्यान में रखकर कार्य किया जा रहा है। इस दौरान अब्दुल गनी, एल्डरमेन राजेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, सहायक अभियंता जितेंद्र समैया ओर ठेकेदार उपस्थित रहे।

विधानसभा निर्वाचन के लिए 131 मास्टर ट्रेनर नियुक्त

दुर्ग। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 के सुचारू संचालन हेतु जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय कुल 131 मास्टर ट्रेनरों की नियुक्त की गई है। इन्हें विगत 22 अगस्त को बी.आई.टी. दुर्ग के ऑडिटोरियम में प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर विपुल कुमार गुप्ता, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, विनय कुमार सोनी, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धमधा तथा लवकेश ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर दुर्ग के द्वारा विधानसभा निर्वाचनों के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए जाने हेतु मास्टर ट्रेनरों प्रशिक्षित किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर बीके दुबे ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण में जिला एवं विधानसभा स्तरीय कुल 131 मास्टर ट्रेनरों में से 105 मास्टर ट्रेनर उपस्थित थे तथा 26 मास्टर ट्रेनर्स अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित मास्टर ट्रेनरों के विरूद्ध नियमानुसार कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

दो लाख की अवैध शराब के साथ नागपुर के दो तस्कर पकड़ाये

दुर्ग। जिले की कुम्हारी थाना पुलिस ने नागपुर को दो शराब तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 लाख रुपए कीमत की मध्य प्रदेश निर्मित गोवा शराब जब्त किया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34 (2) के तहत मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग मध्य प्रदेश निर्मित शराब का अवैध परिवहन कर रहे हैं। तथा मध्य प्रदेश से शराब गाड़ी भरकर रायपुर दुर्ग के रास्ते अलग-अलग जगहों तक पहुंचाई जा रही है। जिस पर दुर्ग एसपी ने एसीसीयू प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा व थाना प्रभारी कुम्हारी निरीक्षक केशव राम कोशले के नेतृत्व में एक टीम गठित की। तथा तस्करों की पतासाजी के लिए अपने मुखबिरों को अलर्ट किया गया।

पटवारी के खिलाफपूर्व में हो चुका है शिकायत अफसरों ने बना रखा हैं संरक्षण

प्रेमनगर - पटवारी ने वृद्ध ग्रामीण से मांगी 15 हजार रिश्वत नहीं देने पर कई वर्षो तक नही किया कार्य, कलेक्टर से लगाई गुहार

नन्दू यादव

सूरजपुर/भारत भास्कर। जिले के राजस्व विभाग में अनिमियता रुकने का नाम ले रहा है। राजस्व विभाग में आम जन कार्य बगैर पैसे दिए नही हो रहा है। दूर दराज गावों से ग्रामीण अपनी फरियाद लेकर तहसील कार्यालय जाते है। जहां से इन्हें बैरंग ही वापस लौटना पड़ रहा है।

ऐसे ही प्रेमनगर विकास खंड के कुछ पटवारियों द्वारा अपने हल्का में नही रहते है। उनसे काम के लिए दिया लेकर खोजने जाने को आम मजबूर है। इनके खिलाफ शिकायत देने के बाद भी कोई सुनने वाला कोई नही है।

इसी कड़ी में प्रेमनगर तहसील कार्यालय के अंतर्गत हल्का 14 ग्राम बकिरमा के पटवारी सुरेंद्र नेताम के खिलाफएक वृद्ध ग्रामीण ने कलेक्टर को लिखित शिकायत देकर पैसे के बदले काम करने का आरोप लगाया है और कार्यवाही की गुहार कलेक्टर से लगाई है।लिखित शिकायत में आवेदक धरमपाल साहू आत्मज सीता राम साहू, ग्राम बकरमा निवासी, ने बताया कि ग्राम बकिरमा निवासी सुख लाल बंजारा आ. मानू से वर्ष 2005 - 6 में भूमि खरीदा था। 50 डिसमिल खरीदा था। उक्त भूमि वर्तमान में विक्रेता के नाम से ही आनलाइन खसरा में दर्ज है। जिससे वृद्ध को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। धर्मपाल साहू खसरा में नाम चढ़वाने के लिए पिछले 2 वर्ष से ग्राम बकीरमा हल्का न. 14, के पटवारी सुरेन्द्र नेताम के निवास ग्राम फुलकोना में चक्कर लगा रहा है। 1 वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री जन चौपाल कार्यक्रम के दौरान भी आवेदक शिकायत पत्र देने जा रहा था कि तभी गेट के पास पटवारी शुरेंद्र नेताम द्वारा कहा गया कि शिकायत मत करो मैं कार्य कर दूंगा, इसके बाद पट्टा भी को शुरेंद्र पटवारी द्वारा रख लिया गया था।

पीड़ित ग्रामीण ने आगे बताया कि पटवारी शुरेंद्र नेताम द्वारा कहा जाता है कि ऊपर में देना पड़ता है। आप लोग जेब गरम करेंगे तभी कार्य होगा, 15 हजार राशि की मांग की गई थी। इतना मोटी रकम नही देने के कारण आज तक उक्त भूमि आवेदक के नाम नही दिख रहा है। बल्कि विक्रेता के नाम से ऑनलाइन नाम दर्ज है। जिस कारण विक्रेता द्वारा बैंक से ऋण लिया गया है। ग्रामीण ने स्वास्थ खराब होने का हवाला देकर मोटी रकम पटवारी को देने में असमर्थता जताई है। लापरवाह पटवारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

बतादें कि इससे पूर्व भी अन्य ग्रामीणों द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत प्रेमनगर तहसीलदार कार्यालय में देकर कार्यवाही की मांग की गई थी। जिसकी जांच में शिकायत सही पाया गया था। जिसके बाद भी प्रशासन और उच्च अफसरों द्वारा पटवारी के विरूध कोई कार्यवाही नही की गई थी। ना ही हल्का में परिवर्तन किया गया है। जिस कारण पटवारी का हौसला काफी बुलंद हो गया है।

कलाई पर सजेगी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित राखियां,सी-मार्ट सहित जनपद कार्यालयों पर उपलब्ध है राखियां

अब तक 20 हजार रूपये से अधिक की हो गई है बिक्री

संवाददाता चंद्रप्रकाश टोंडे / राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इसी के तहत समूह की महिलाओं ने इस बार महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्री पार्क हरिनभट्ठा में राखियां बनाने का कार्य की जा रही है। उक्त हाथ से तैयार की गई राखियों की बिक्री शुरू हो गई है। राखियां बिक्री हेतु जिला मुख्यालय स्थित सी-मार्ट सहित सभी जनपद कार्यालयों में उपलब्ध है। ग्राम हरिनभट्ठा में राखियां बनाने का कार्य जय अम्बे महिला स्व-सहायता समूह के द्वारा की जा रही है। महिला समूह की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती साहू ने बताया कि अभी तक 20 हजार रूपये की अधिक की बिक्री की जा चुकी है। हमारे समूह में कुल 11 महिलाएं कार्यरत है। उन्होनें बताया कि लोगों को ये राखियां खूब पसंद आ रही हैं। समूह की महिला रीना ने बताया कि उनकी बनाई गई राखियों की कीमत पांच से लेकर 20 रुपये तक है। इन राखियों को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन ने अपील करते हुए कहा है गौठानों में बने राखियां की अधिक से अधिक लाभ उठाएं, जिससे स्व सहायता समूह की महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं उनकी आय में वृद्धि हो सके।

हाई स्कूलों में लगातार स्वीप कार्यक्रम का किया जा रहा आयोजन

स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण निर्वाचन की दी जा रही जानकारी

नन्दू यादव

सूरजपुर/भारत भास्कर/ कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं जिला निर्वाचन के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री लीना कोसम के मार्गदर्शन में स्वीप कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक लोगो को मताधिकार का उपयोग करने के उद्देश्य से 24 अगस्त 2023 को जिले के 9 शालाओं क्रमश: कन्या स्कूल बिश्रामपुर, जयनगर, रामनगर, ओड़गी, लांजित, धरसेड़ी, करवां, लटोरी एवं मंजिरा में बालिकाओं, बच्चें को चुनाव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने एवं चुनाव में बढ़ चड़कर हिस्सा लेने के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही सभी मतदाताओं को देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुणय रखते हुए, निर्भिक होकर धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय, भाषा एवं अन्य किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के संबंध में जागरूक किया गया। मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप कार्यक्रम के तहत शपथ भी लिया गया।

कार्यक्रम में शाला के अध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में बच्चे शामिल रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन किए जाने में संरक्षण अधिकारी नवा बिहान, संरक्षण अधिकारी संस्थागत देख रेख, संरक्षण अधिकारी गैर संस्थागत देखरेख, सखी वन स्टॉप सेंटर से केस वर्कर, चाइल्ड लाइन की टीम, बाल संरक्षण की टीम एवं अन्य विभागीय कर्मचारियों की भागीदारी रही।

नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए फार्म भरने की तारीख 27 तक बढ़ी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय और निजी कॉलेजों में वर्ष 2023 शैक्षणिक सत्र में विभिन्न नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को 27 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। अब इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन ऑनलाईन 27 अगस्त शाम 5 बजे तक भर सकते है। पहले यह तिथि 24 अगस्त निर्धारित थी। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इन ऑनलाईन प्राप्त आवेदनों के माध्यम से बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन साइकियाट्रिक नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थी चिकित्सा शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर लॉगइन कर आवेदन भर सकते है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग नर्सिंग पाठ्यक्रम काउसलिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. देवप्रिय रथ से प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन शुल्क भी निर्धारित किया गया है। अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को एक हजार रूपये और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को पांच सौ रूपये आवेदन शुल्क देना होगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाईन आवेदन के साथ ही संस्था का चयन भी करना होगा। संस्था चयन के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाईन आवेदन भरने के बाद लॉक और सबमिट करने के बाद भी अंतिम तिथि तक परिवर्तन की सुविधा रहेगी।

जिले में किया जा रहा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नन्दू यादव

सूरजपुर/भारत भास्कर/ कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री लीना कोसम व जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में भारत शासन की विशिष्ट योजनाओं में से एक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिसका मुख्य उद्देश बालिकाओ के गिरते लिंगानुपात को बढ़ावा देना है। इस योजना के मुख्य घटकों में शामिल हैं, राष्ट्रव्यापी जागरूकता और प्रचार अभियान चलाना, जहां शिशु लिंग अनुपात कम है, उन क्षेत्रों से संबंधित कार्य करना। बुनियादी स्तर पर लोगों को प्रशिक्षण देकर संवेदनशील और जागरूक बनाकर तथा सामुदायिक एकजुटता के माध्यम से उनकी सोच को बदलने पर जोर दिया जाना है। वर्तमान में जिले का लिंगानुपात 1000 पुरुषो की तुलना में 916 है जो की राष्ट्रीय औसत से कम है। इस योजना के तहत बालिकाओ को आत्म निर्भर बनाने हेतु पुलिस एवं खेल विभाग से प्रस्ताव प्राप्त किया जा रहा है, इसके पश्चात जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है। इसी निर्देश के तहत जिले में 23 अगस्त से 4 अक्टुबर तक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के कार्ययोजना अनुसार विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। जिसके तहत 24 अगस्त 2023 को जिले के 9 शालाओं क्रमश: कन्या स्कूल बिश्रामपुर, जयनगर, रामनगर, ओड़गी, लांजित, धरसेड़ी, करवां, लटोरी एवं मंजिरा में बालिकाओं, बच्चों एवं महिलाओं से संबंधित कानूनों के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई, साथ ही रैली का आयोजन भी किया गया। बच्चियों के मध्य जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाला के अध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में बच्चे शामिल रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन किए जाने में संरक्षण अधिकारी नवा बिहान, संरक्षण अधिकारी संस्थागत देखरेख, संरक्षण अधिकारी गैर संस्थागत देखरेख, सखी वन स्टॉप सेंटर से केस वर्कर, चाइल्ड लाइन की टीम, बाल संरक्षण की टीम एवं अन्य विभागीय कर्मचारियों की भागीदारी रही।

विद्युत करेंट लगाने से एक व्यक्ति की मृत्यु होने कि रिपोर्ट पर 24 घंटे के अंदर 06 आरोपीगणो को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

चंद्रप्रकाश टोंडे की रिपोर्ट : थाना सिमगा के अपराध क्रमांक 277/23 धारा 304, 201, 34 भादवि के प्रार्थी बिरेंद्र गायकवाड़ स/ह रामाधार गायकवाड़ उम्र 42 वर्ष सा. चक्रवाय थाना सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. दिनांक 24/08/2023 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी बडे भाई चंद्रिका उर्फनरेंद्र गायकवाड़ पिता रामाधार गायकवाड़ उम्र 44 वर्ष निवासी चक्रवाय थाना सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. का शव मृत हालत में पीपराही खार शिवनाथ नदी के किनारे भुपेंद्र जैन के केला बाड़ी ग्राम चक्रवाय के खेत मेढ के पास पडा है कि रिपोर्ट पर मर्ग क्रमांक 62/23 धारा 174 जा.फौ. के तहत मर्ग कायम कर घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियो को दिया देने पर श्रीमान पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के आदेशानुसार श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय बलौदाबाजार-भाटापारा एंव श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस भाटापारा के निर्देशन पर थाना प्रभारी निरीक्षक मंजूलता राठौर थाना सिमगा द्वारा तत्काल टीम गठित कर हमराह स्टाप सउनि विष्णु टण्डन, प्रआर.132 संजय सोनी, प्रआर.650 रामनारायण

वर्मा, आरक्षक 547 बब्बू साहू, 857 लोकेश ड़डसेना, 460 अयोध्या नरेश मधुकर मआर.491 अहिल्या वर्मा के घटना स्थल जाकर घटना स्थल निरीक्षण, शव निरीक्षण कार्यवाही एवं प्रार्थी गवाहो का कथन तथा शव पंचनामा कार्यवाही पी एम रिपोर्ट के आधार पाया गया कि दिनांक घटना 23/08/2023 के शाम 04.00 बजे से 07.00 बजे के मध्य मृतक चंद्रिका उर्फनरेंद्र गायकवाड़ निवासी चक्रवाय अपने बोर बाड़ी में काम करने गया था कि मृतक के बारे बाड़ी से लगा भुपेंद्र जैन का केला बाड़ी है जिसमें आरोपीगण सुरेंद्र कुमार ओगरे पिता मोहन ओगरे उम्र 20 वर्ष निवासी चक्रवाय एवं आत्माराम निषाद पिता परशुराम निषाद उम्र 32 वर्ष, नारायण साहू पिता हेमुलाल साहू उम्र 32 वर्ष, हरेंद्र साहू पिता मंतराम साहू उम्र 23 वर्ष, संतु यादव पिता चोवाराम यादव उम्र 37 वर्ष, सुरज निषाद पिता बीरसिंग निषाद उम्र 29 वर्ष सभी निवासी चंदिया पथरा थाना सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ0ग0 द्वारा जंगली सुअर मारने के लिये केला बाड़ी के किनारे किनारे झाड़ी में लोहे का जीआई तार बिछाकर विधुत करेंट प्रवाहित कर दिया जिससे बोर बाड़ी में काम कर रहे चंद्रिका उर्फ नरेंद्र गायकवाड़ को करेंट लगने से चिपक कर मृत्यु हो गया । आरोपीगण द्वारा एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाने की जानकारी मिलने पर जान बुझकर साक्ष्य छुपाने की नियत से मृतक के शव को मूल घटना स्थल से हटाकर मृतक के नया बोर बाड़ी के पास जाकर रख दिया था । आरोपीगण का पतासाजी कर थाना लाकर पुछताछ कर धारा 27 साक्ष्य अधिनियम के तहत मेमोरण्डम कथन लिया गया जिन्होने उक्त घटना कारित स्वीकार किया गया । आरोपीगण के विरूद्ध अपराध घटित करना साक्ष्य सबूत पाये जाने से विधिवत दिनांक 25/08/2023 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया है । : सम्पूर्ण कार्यवाही निरीक्षक मंजूलता राठौर थाना प्रभारी सिमगा, सउनि विष्णु टण्डन प्रआर.132 संजय सोनी, प्रआर.650 रामनारायण वर्मा एवं आरक्षक अयोध्या नरेश मधुकर, लोकेश डड़सेना, बब्बू साहू, अहिल्या वर्मा का विशेष योगदान रहा ।

चांद पर पहुंचे, अब सूरज की बारी

20 दिन तक स्पेस में रह सकेंगे अंतरिक्ष यात्री

नई दिल्ली, एजेंसी

चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम चांद पर कदम रख चुका है। चंद्रमा के साउथ पोल पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है। चांद पर पहुंचने के बाद अब सूरज की बारी है। इसके लिए भी आईएसआरओ के वैज्ञानिकों ने तैयारी कर ली है। सितंबर में सूरज तक पहुंचने के लिए आदित्य एल-1 की लॉन्चिंग हो सकती है। अंतरिक्ष और आसमान को एक्सप्लोर करने का ये सिलसिला यहीं रुकने वाला नहीं है। इसके बाद जैसे दो और ताकतवर अंतरिक्ष मिशन लॉन्च होंगे। भास्कर एक्सप्लेनर में जानेंग 6 बड़े फ्यूचर प्लान्स और इससे देश को क्या हासिल होगा। सूर्य की निगरानी के लिए भेजे जा रहे इस उपग्रह के सभी पेलोड (उपकरणों) का परीक्षण पूरा कर लिया गया है। जल्द ही इसका आखिरी रिव्यू होगा। सब कुछ ठीक रहा तो सितंबर के शुरुआती हफ्ते में इसे स्पेस में भेजा जा सकता है। आदित्य रु1 से सोलर कोरोनल इजेक्शन यानी सूर्य के ऊपरी वायुमंडल से निकलने वाली लपटों का एनालिसिस किया जाएगा। ये लपटें हमारे कम्युनिकेशन नेटवर्क व पृथ्वी पर होने वाली इलेक्ट्रॉनिक गतिविधियों को प्रभावित करती हैं। सूर्य को जानने के लिए दुनियाभर से अमेरिका, जर्मनी, यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने कुल मिलाकर 22 मिशन भेजे हैं। सबसे ज्यादा मिशन अमेरिकी स्पेस एजेंसी ने भेजे हैं। पहला सूर्य मिशन पायोनियर-5 साल 1960 में भेजा था। जर्मनी ने अपना पहला सूर्य मिशन 1974 में साथ मिलकर भेजा था। यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने अपना पहला मिशन रू के साथ मिलकर 1994 में भेजा था। सैटेलाइट बवंडर, तूफान, ज्वालामुखी, भूकंप, ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्री तूफान, जंगली आग, समुद्रों के जलस्तर में बढ़ोतरी, खेती, गीली धरती, बर्फ का कम होने की जानकारी देगा। धरती के चारों ओर जमा हो रहे कचरे और धरती की ओर अंतरिक्ष

से आने वाले खतरों की भी जानकारी इस सैटेलाइट से मिल सकेगी। पेड़-पौधों की घटती-बढ़ती संख्या पर नजर रखेगा। प्रकाश की कमी और इसमें बढ़ोतरी की भी जानकारी मिल पाएगी। इस सैटेलाइट से मिलने वाली हाई-रिजोल्यूशन की तस्वीरें हिमालय में ग्लेशियरों की निगरानी में भारत और अमेरिकी सरकारों की मदद करेंगी। यह चीन और पाकिस्तान से लगी भारत की सीमाओं पर कड़ी नजर रखने में भी सरकार की मदद कर सकता है। अपने पहले ह्यूमन स्पेस-फ्लाइट मिशन गगनयान के तहत साल के आखिरी में दो आरंभिक अंतरिक्ष मिशन भेजेगा। इसमें एक मिशन पूरी तरह से मानवरहित होगा। दूसरे मिशन में व्योममित्र नाम की एक महिला रोबोट भेजी जाएगी। आरंभिक मिशन का मकसद यह सुनिश्चत करना है कि गगनयान रॉकेट जिस मार्ग से जाए उसी मार्ग से सुरक्षित भी लौटे। यानी इनके कामयाब होने के बाद ही 2024 में इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। तीसरे मिशन की स्पेस फ्लाइट में दो इंसानों को भेजा जा सकेगा। ये लोग 7 दिन तक अंतरिक्ष में रहेंगे। मिशन के लिए भारतीय वायुसेना के चार पायलट्स को रूस भेजकर स्पेस ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनिंग भी दी गई है। इन स्पेस में जाने वाले एस्ट्रोनॉट्स को गगनॉट्स कहा जाएगा। भारतीय वायुसेना के चार पायलट्स में एक ग्रुप कैप्टन हैं। बाकी तीन विंग कमांडर हैं, जिन्हें गगनयान मिशन के लिए तैयार किया जा रहा है। अभी इन्हें बेंगलुरु में गगनयान मॉड्यूल की ट्रेनिंग दी जाएगी।

चंद्रयान- 3 की कामयाबी पर वर्ल्ड मीडिया रिएक्शन

चॉद के दक्षिणी ध्रुव कदम रखते ही भारत में रचा इतिहास

वॉशिंगटन , एजेंसी

चंद्रयान-3 के लैंडर ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखकर इतिहास रच दिया है। उसने 20 मिनट में चंद्रमा की अंतिम कक्षा से 25 किमी का सफर पूरा किया। भारत की इस महान कामयाबी को वर्ल्ड मीडिया ने हाथोंहाथ लिया और दिल खोलकर तारीफ की। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के तमाम बड़े अखबारों ने इस इवेंट की लाइव कवरेज की। पाकिस्तानी मीडिया ने भी इसे टॉप 5 न्यूज में जगह दी। हैरानी की बात चीन की मीडिया को लेकर हुई। उसके दो अहम अखबारों और वेबसाइट्स ने इस इवेंट को होम पेज पर कवर ही नहीं किया। इस अमेरिकी अखबार ने न सिर्फ भारत की इस कामयाबी का लाइव कवरेज किया, बल्कि ये भी बताया कि भारत की अगली मंजिल अब क्या होगी। अखबार ने लाइव ब्लॉग में लिखा- चांद पर पहुंचने की लेटेस्ट रेस में भारत ने जबरदस्त कामयाबी हासिल की। टीम इसरो ने चंद्रयान-3 को उस साउथ पोल पर लैंड करा दिया, जहां अब तक कोई नहीं पहुंच पाया।आगे लिखा- भारत के लिए स्पेस रिसर्च के लिहाज से अगले 10 साल बेहद अहम और बिजी होने वाले हैं। भारत का स्पेस प्रोग्राम करीब 50 साल तक सरकार के हाथों में रहा, लेकिन अब उसने अपने दरवाजे प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिए हैं। कामयाबी उसका इंतजार कर रही है। अमेरिका के एक और बड़े अखबार 'वॉशिंगटन पोस्ट' ने अपनी खबर के इंट्रो में भारत की कामयाबी को अनूठा तोहफा बताया। इसके अलावा ये भी खास रहा कि इस अखबार ने पिछले दिनों रूस के मिशन की नाकामयाबी को भी इस खबर में जगह दी। उसने दोनों मिशन की तुलना करते हुए ये भी बताया कि इंडियन साइंटिस्ट किसी भी अड़ंगे से पीछे नहीं हटते और बहुत कम बजट में अपने काम को अंजाम देते हैं। ब्रिटेन के वर्ल्ड फेमस मीडिया हाउस भी इस इवेंट को लाइव कवर किया। जैसे ही चंद्रयान-3 की लैंडिंग बीबीसी हुई,बीबीसी ने लिखा- भारत ने इतिहास रच दिया... साउथ पोल के करीब चंद्रयान 3 की लैंडिंग कामयाब। भारत की इस कामयाबी के पीछे उसके

चीनी मीडिया खामोश

हमने चीन के दो अखबार और इनकी वेबसाइट को रियल टाइम चेक किया तो उनके होम पेज पर भारत की कामयाबी की खबर नजर नहीं आई। ग्लोबल टाइम्स ने प्रेसिडेंट जिनपिंग की साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति से मुलाकात को तवज्जो दी। टॉप 5 में भारत की सफलता की इस कहानी की झलक तक नजर नहीं आई। इसके अलावा, चाइना डेली में भी यह खबर नजर नहीं आई। होम पेज पर ज्यादातर न्यूज चीन से जुड़ी हुई थी। इनमें कहीं भी इसरो या चंद्रयान 3 का जिक्र तक नहीं था।

साइंसदानों की जबरदस्त मेहनत है। उन्होंने तमाम मुश्किलों के बावजूद कदम नहीं खींचे और आज वो कर दिखाया जो दुनिया के सामने मिसाल है। अब दुनिया को भारत से ज्यादा उम्मीदें हैं। जर्मनी के कई भाषाओं में पब्लिश होने वाले अखबार 'डॉयचे वैले' ने इस इवेंट को लाइव कवर किया। लैंडिंग के फौरन बाद उसने हेडिंग बदली और लिखा- चंद्रमा के साउथ पोल यानी दक्षिणी ध्रुव पर लैंड करने वाला पहला देश बना भारत। इसके साथ ही अखबार ने तिरंगे के रंग में पेंट किए एक भारतीय की तस्वीर भी लगाई। इसके हाथ में भी तिरंगा नजर आ रहा था। अखबार ने लिखा- 140 करोड़ भारतीयों के दिल की हसरत को टीम इसरो ने साकार किया। पाकिस्तान के लीडिंग अखबार 'द डॉन' ने भारत की इस कामयाबी वाली खबर को टॉप 5 खबरों में जगह दी। उसके साइंस रिपोर्टर हम्माद मुस्तफा ने लिखा- हमारे पड़ोसी देश से बहुत बड़ी खबर आई है। भारत ने स्पेस सेक्टर में दुनिया के सामने ऐसी मिसाल कायम की है, जिसको अब हर देश फॉलो करना चाहेगा। ये काम आसान नहीं था। इमरान सरकार में साइंस एंड टेक्नोलॉजी मिनिस्टर रहे फवाद चौधरी ने लैंडिंग से पहले भारत को शुभकामनाएं दीं। पाकिस्तान के सबसे बड़े न्यूज चैनल जियो न्यूज ने कुछ देर तक चंद्रयान-3 की कामयाबी की खबर को नंबर एक पर जगह दी। इसकी खबर में कहा गया- हमारे पड़ोसी देश ने स्पेस सेक्टर में बड़ी कामयाबी हासिल की है। इसके पीछे उसके साइंसटिस्ट्स की मेहनत और लगन है। भारत ने यह साबित कर दिया है कि अगर ठान लिया जाए तो कुछ भी करना मुमकिन है, चांद पर पहुंचना भी।

चंद्रयान-3 की सफलता पर देशभर में जश्न

नई दिल्ली , एजेंसी । चंद्रयान-3 ने बुधवार शाम चंद्रमा के साउथ पोल पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की। इसके बाद से देशभर में जश्न का माहौल है। चंद्रयान की लैंडिंग पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने तिरंगा फहराया। गुजरात के सूरत में एक स्कूल के बच्चे खुशी से डांस करने लगे। बेंगलुरु में इसरो मिशन कंट्रोल सेंटर में वंदे मातरम के नारे लगाए गए। चंद्रयान-3 की कामयाब सॉफ्ट लैंडिंग के लिए आज सुबह से देशभर में लोग पूजा और प्रार्थना कर रहे थे। मंदिरों में हवन-पूजन किए जा रहे थे और मस्जिदों में लोग दुआ पढ़ रहे थे। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार को सफल लैंडिंग के लिए खास भस्म आरती की गई। वहीं, अजमेर की दरगाह शरीफ में लोगों ने दुआ की। श्रीनगर की हजरतबल दरगाह में भी दुआ की गई। उधर, उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों और मदरसों में चंद्रयान-3 की लैंडिंग का लाइव टेलिकास्ट किया गया। राज्य के स्कूलों और दूसरे शिक्षण संस्थानों में भी इसका टेलिकास्ट हुआ। हरियाणा के स्कूलों में भी मिशन की लाइव कवरेज दिखाई गई।

सात महीने जिंदा लाश बनी रही अनीता, फिर भी नही हारी हिम्मत

'2005 की बात है। शादी को 13 साल हो चुके थे। उस दिन मैं बस से जा रही थी। दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में उतरना था। जैसे ही बस से उतरी, मेरी साड़ी बस में बैठे किसी व्यक्ति के पैर के नीचे दब गई। इधर बस चल पड़ी। साड़ी मेरी गर्दन में लिपट गई। ड्राइवर कुछ समझता इससे पहले ही बस मेरे बाएं हाथ और पैर को कुचलते हुए गुजर गई। तकरीबन 8 महीने हॉस्पिटल में एडमिट रही, बिस्तर पर पड़ी रही। लोगों ने उम्मीद छो? दी थी, लेकिन मैं मौत के मुंह से बाहर निकलकर आई।' एडवोकेट अनीता गुप्ता अपने साथ हुए हादसे के बारे में बता रही हैं। पिछले एक हफ्ते से मैं उनसे मिलने की सोच रहा था। आखिरकार उनसे मुलाकात दिल्ली के कड़कड़डूमा इलाके में होती है। जिस तरह वो मेरा स्वागत करती हैं, उसे देख कोई नहीं कहेगा कि वो फिजिकली चैलेंज्ड हैं या ये कि कभी वो जिंदा लाश बन चुकी थीं। अनीता से जब मैं कहता हूं कि अच्छा लगा ये देखकर कि आप बिल्कुल फिट हैं। ये सुनकर वो खिलखिलाकर ऐसे हंस पड़ती हैं, मानो दर्जनों जख्म उनके शरीर में अब तक दफन हो चुके हों, जिन्हें वो कुरेदना नहीं चाहतीं। अनीता बताती हैं, 'अपनी पूरी बॉडी को कवर कर लूं, तो आपको क्या किसी को भी पता नहीं चलेगा कि मेरे शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो चुके हैं। सात ऑर्गंस निकाले जा चुके हैं। गले का थायराइड ग्लैंड निकाला जा चुका है। शरीर की हालत को आप इस बात से समझ सकते हैं कि मेरा ब्लड प्रेशर या ब्लड टेस्ट पैर से होता है। इस हाथ के भीतर कुछ है ही नहीं तो...। कमर के नीचे दोनों पैर का जॉइंट टूटा हुआ है। रीढ़ तीन जगह से टूटी हुई है। सच पूछिए, तो 55 साल की उम्र वाला यह शरीर इतना दर्द झेल चुका है कि अब इसका एहसास ही नहीं होता। कैसे होगाज पिछले साल ब्रेस्ट कैंसर हो गया। कभी-कभी सोचती हूं कि क्या कुछ और भी बचा है मेरे सवाल पूछते ही वो एक एलबम लेकर बैठ जाती हैं। कुछ तस्वीरें दिखाने लगती हैं। इसमें उनकी शादी के, मम्मी-पापा और बचपन के पुराने फोटो हैं। ब्रेस्ट कैंसर की वजह से अनीता के पूरे बाल झड़ चुके थे। अभी उनके छोटे-छोटे बाल हैं, लेकिन शादी से पहले की अनीता की तस्वीर बिल्कुल अलग है।वो कहती हैं, 'अलीगढ़ की रहने वाली हूं। घर में बेटे से ज्यादा बेटियों को तवज्जो दी जाती थी। सुनने में फिल्मी साउंड करेगा, लेकिन हकीकत है कि पापा देवता के समान थे। जब घर में बेटी पैदा होती, तो पापा सबसे ज्यादा खुश होते ताकि मेरी मां को कोई कुछ न बोले। पढ़ाई-लिखाई सब सही से चल रही थी। मैं डांसिंग, सिंगिंगज इस तरह की एक्टिविटी में पार्टिसिपेट करती थी। मेरी उम्र 22 साल रही होगी, जब पहला एक्सीडेंट हुआ था। घर पर कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। छत से अचानक से नीचे गिर गई।

प्रेमिका से मिलने गए युवक की पीट-पीटकर हत्या, आठ गिरफ्तार

चतरा , एजेंसी

जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के सलैया गांव में प्रेमिका से मिलने गए कुंदन कुमार को लड़की के घरवालों और गांव के लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। प्रेमिका से मुलाकात में उसकी मदद कर रही गोली देवी नामक महिला को भी लोगों ने बुरी तरह पीटा। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए गया के मगध मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने वारदात के 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार महिलाएं भी शामिल हैं। बताया गया कि कुंदन कुमार का गांव की एक नाबालिग लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 20 अगस्त की शाम वह गांव

की एक महिला गोली देवी की मदद से उससे मिलने की कोशिश कर रहा था तभी लड़की के घरवालों और गांव के कई लोगों ने दोनों को पकड़ा और लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा।दोनों को इलाज के लिए हंटरगंज स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां कुंदन ने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से जख्मी महिला गोली देवी को इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस एक्टिव हुई। जांच में पूरे मामले का खुलासा हो गया। इसके बाद गांव के श्रवण कुमार, रंजीत भुईयां, कांग्रेस भुईयां, रंजू देवी, सविता देवी, शोभा देवी, सोमरी देवी और कमलेश भुईयां को गिरफ्तार किया गया है। एसडीपीओ अविनाश कुमार ने बताया कि एसपी राकेश रंजन के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई। एसआईटी में उनके अलावा हंटरगंज पुलिस निरीक्षक प्रमोद पांडेय व थाना प्रभारी सनोज चौधरी शामिल थे। जांच-प?ताल के दौरान एसआइटी ने पिटाई के लिए इस्तेमाल किए गए तीन डंडे, दो मोटरसाइकिल, एक गमछा और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

अफगानिस्तान में पूर्व अफसरों पर टूटा कहर

तालिबान ने 2 साल में जजों समेत 200 पूर्व अफसरों की हत्या

काबुल , एजेंसी

अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के कब्जे को दो साल बीत चुके हैं। इस दौरान अफगानिस्तान की पूर्व सरकार में काम करने वाले 200 से ज्यादा अधिकारियों की हत्याएं हो चुकी है। यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी एक रिपोर्ट से हुआ है। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन के अनुसार, सत्ता पर कब्जे के बाद तालिबान के निशाने पर सेना के जवान, पुलिस, खुफिया विभाग से जुड़े और न्यायिक अधिकारी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान लड़ाकों ने पूर्व अधिकारियों और जवानों को पहले हिरासत में लिया।

देश के 34 प्रांतों में अमानवीयता के मामले

कुछ को जेलों में बंद कर प्रताड़ित किया

और उसके बाद हिरासत में ही उन्हें मौत के घाट उतार दिया। कई मामले ऐसे भी है, जब हिरासत में लिए गए अधिकारियों को अज्ञात स्थानों पर ले जाकर मार डाला गया। उनके शवों को इधर-उधर फेंक दिया गया। कुछ मामलों में शव परिवार के सदस्यों को भी सौंपे गए। सभी 34 प्रांतों में अमानवीय घटनाएं सामने आई हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या काबुल, कंधार और बल्ख प्रांतों में दर्ज की गई। यूएन ने 15 अगस्त 2021 में तालिबान के आने के बाद से जून 2023 के तक पूर्व अफगान सरकारी अधिकारियों और सुरक्षा बलों के खिलाफ 800 से अधिक मानवाधिकार उल्लंघन को रिपोर्ट में शामिल किया है। रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाले लोगों को भी पकड़ लिया गया। उन लोगों को पाइप से बांधने से लेकर केबल से पिटाई, एक ही जगह कई दिनों तक खड़ा रखने जैसी यातनाएं दी गई। कुछ लोग तो आज तक लौटे नहीं हैं।

मान्यता की मांग कर रहा तालिबान

अफगानिस्तान लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। जुलाई के आखिरी हफ्ते में तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने अल-अरेबिया न्यूज चैनल को एक इंटरव्यू दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा था- सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं।

एससी-एसटी एक्ट के तहत आठ के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई । महाराष्ट्र में ठाणे जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाली 34 वर्षीय महिला को परेशान करने के मामले में एससी/एसटी अत्याचार अधिनियम के तहत पुलिस ने सात महिला और एक पुरुष के खिलाफ मामला दर्ज किया है। नारपोली पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने शिकायत के अनुसार जून 2021 से लेकर जनवरी 2023 के बीच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, भिवंडी के पंचायत समिति के दफ्तर और ठाणे जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग में काम करने के तहत उसे परेशान किया गया है। एफआईआर के अनुसार कुछ अरोपी वर्ली समुदाय से संबंध रखने वाली शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए काम को यह कहकर इनकार कर देते थे कि वह निचली जाति से है। यह भी बताया गया कि एक बार जब महिला ने उनके बोतल से पानी पी थी तब कुछ लोगों ने उससे दुरव्यवहार भी किया था। महिला की जाति को लेकर आरोपियों में से कुछ ने दफ्तर के सहकर्मियों के सामने उसे अपमानित भी किया था। वे महिला पर झुठे आरोप भी लगाए थे, जिस वजह से उसे नौकरी से भी निकाल दिया गया था। पीड़िता ने बताया कि नौकरी से निकाले जाने के बाद वह अपने गांव मोखाडा तालुका जो पालघर के पास है, में आकर खेती करने लगी थी। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर सात महिला समेत आठ लोगों को के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फिलहाल इस मामले में अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं की गई है।

मंडी में फटा बादल, 2 घर और स्कूल बहे हिमाचल में फिर शुरू हुआ तबाही का दौर

शिमला , एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में बारिश का कहर जारी है। प्रदेश एक बार फिर से कहर बरपाया है। प्रदेश के कई जिलों में मंगलवार देर रात से बारिश हो रही है। प्रदेश के मंडी जिले के पंडोह में गांव कुकलाह में बादल फटा है। जिसकी चपेट में आने से दो घर और एक स्कूल बह गए हैं। 3 लोग मलबे में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रभाव से रेस्क्यू करके सुरक्षित निकाल लिया है। वहीं सोलन जिले के बद्दी में तेज बारिश और नदी के बढ़े जलस्तर के चलते एक पुल धंस गया है। जिसकी वजह से बद्दी का हरियाणा और चंडीगढ़ से संपर्क टूट गया है। पुल से पैदल मूवमेंट भी बंद की गई है।भारी बारिश के चलते चंडीगढ़-शिमला हाइवे पर चक्की मोड के पास फिर से लैंडस्लाइड हुआ है, जिसके चलते हाइवे बंद हो गया है। हाइवे पर लंबा जाम लग गया है। वहीं सोलन जिले के सुबाथू में एक नाले में फ्लैश फ्लड आया है,

जिससे लोगों के घरों में मलबा घुस गया है। सड़कों पर भी चारों तरफ मलबा और भारी पत्थर जमा हो गए हैं। कई गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा है।

बद्दी में पुल धंसा

भारी बारिश को देखते हुए हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी ने 23 और 24 अगस्त को होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। बाद में संशोधित शेड्यूल जारी होगा। इसी तरह मंडी की सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ने भी परीक्षाओं को टाल दिया है। 23 अगस्त को सूबे के मंडी, शिमला, हमीरपुर, सोलन सिरमौर, कांगड़ा में स्कूलों को बंद रखने का फैसला लिया गया है। मौसम विभाग ने अगले 2 से 3 घंटों तक चंबा, कुल्लू, किन्नौरी और लाहुल और स्पीति जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

बारिश का कहर जारी

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार को भारी से भीषण बारिश होने का अनुमान जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जबकि 25 एवं 26 अगस्त को भारी बारिश होने का अनुमान प्रकट करते हुए येलो अलर्ट जारी किया। विभाग ने 28 अगस्त तक राज्य में बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने बिलासपुर, हमीरपुर, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन, सिरमौर और ऊना जिलों के कुछ हिस्सों के लिए अलर्ट जारी किया।

चंडीगढ़-शिमला हाइवे बंद

हिमाचल में इस मॉनसून सीजन में अबतक 350 लोगों की जान अब तक जा चुकी है। साथ ही 8 हजार करोड़ रुपये ज्यादा का नुकसान हिमाचल को हो चुका है। फिलहाल हिमाचल को बारिश से राहत मिलती नहीं दिख रही है। शिमला में लगातार हो रही बारिश से लोगों में डर का माहौल है। समरहिल में चल रहा सर्च ऑपरेशन भी रोक दिया गया है।

अनुराग ठाकुर ने बारिश प्रभावित गांवों का दौरा किया

केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को जिले के बारिश प्रभावित गांवों का दौरा करके स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने भारी बारिश के बीच घरों, सड़कों और खेतों को हुए नुकसान की जानकारी ली और प्रभावित लोगों को पर्याप्त राहत प्रदान करने का आश्वासन दिया। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ठाकुर इसके बाद बाढ़ की स्थिति को देखने के लिए कांगड़ा जिले के देहरा उपमंडल रवाना हो गए।

सार-समाचार

मुकेश रजक बनाए गए जिला कांग्रेस महामंत्री

कांकेर:- सरोना जॉन अध्यक्ष है और उनके संगठन के अच्छे पकड़ एवं अच्छे कार्य किए हैं संगठन के प्रति सामाजिक हो या राजनीतिक रजक की अच्छी पकड़ होने पर उन्हें कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ से जिला महामंत्री बनाया गया मुकेश रजक को महामंत्री बनने पर क्षेत्र की जनप्रतिनिधि यो द्वारा बधाई शुभकामनाएं दिया गया जिसमें मुख्य रूप से शिशुपाल सोरी विधायक नितिन पोटाई नरेश ठाकुर सुभद्रा सलामअब्दुल गफ्फार मेमन सोमनाथ जैन रोहिदास सोरी मनोज जैन सुनील गोस्वामी मोतीरामसाहु परदेसी राम निषाद मनीराम सिन्हा राजकुमार नाग ईश्वर मांडवी देव आनंद मरकाम हरक नेताम जगदेव मांडवी दिनेश सहारे पुष्कर साहू सेवक गजीर फैजल मेमन शिवेंद्र जैन अशोक सिन्हा मनोज निषाद जेवा मरकाम प्रेम सिंह मांडवी रामेश्वर सॉरी शंभू राम सॉरी एवं क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि एवं सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर मुकेश रजक को महामंत्री बनने पर बधाई दी

पालेम के 150 सीपीआई कार्यकर्ताओं ने किया कांग्रेस प्रवेश

जगदलपुर। उद्योग एवं आबकारी मंत्री कवासी लखमा की मौजूदगी में सुकमा जिले के ग्राम पालेम के 150 सीपीआई के लोगों ने कांग्रेस प्रवेश किया। लोगों ने छत्तीसगढ़ सरकार के विकास कार्यों से प्रभावित होकर कांग्रेस प्रवेश करने की बात कही। उद्योग मंत्री ने गमछा पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। उसके बाद कवासी लखमा ग्राम गोरली में लोगों के बीच पहुंचकर हाल जाना। उन्होंने बिजली, पानी, सड़क, राशन आदि के बारे में जानकारी ली। साथ ही ग्रामीणों की मांग पर मंदिर में शेड लगाने की घोषणा की। उन्होंने बालक छात्रावास के निरीक्षण के दौरान खाना बनाने, बच्चों के रहने, पढ़ाई लिखाई, साफ-सफाई, बाथरूम व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। पढ़ाई लिखाई कैसी चल रही है, शिक्षक आपको अच्छे से पढ़ा रहे हैं कि नहीं इसके बारे में बच्चों से जानकारी ली। इस दौरान बच्चों ने पहाड़ा पढ़कर सुनाया। बालक आश्रम व स्कूल में साफ सफाई, खान पान को देख मंत्री ने अधीक्षक के काम की सराहना की। बच्चों ने खुशी जाहिर करते हुए मंत्री से फेटो खिंचवाने की इच्छा जाहिर की। जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने बच्चों के साथ फेटो खिंचवाई। कवासी लखमा भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत पेंदलनार पहुंचे। उन्होंने कहा कि पहले आप लोग घर से निकल नहीं पाते थे, घर के लोगों को पुलिस जेल में बंद कर देती थी। राशन कार्ड बनाने में समस्याओं का सामना करना पड़ता था। हमारी सरकार बनने के बाद आज सड़क, पुल-पुलिया बिजली, राशन पहुंच रही है। देवगुड़ी का निर्माण हो रहा है, तेंदूपत्ता की नगद खरीदी, भूमिहीन किसानों को सात हजार देने का काम हमारी सरकार कर रही है। आने वाले समय में 2800 रुपये में धान खरीदी की जायेगी इसलिए आप सभी को कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन देना है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग की। मांग पर उन्होंने आश्वासन दिया। ग्राम पंचायत पेंदलनार उपस्वास्थ्य केंद्र के जीर्णोद्धार के लिए मंत्री ने आदेश दिए। इस दौरान भेंट-मुलाकात के दौरान मंत्री ने लोगों का हाल जाना। लोगों के द्वारा आंगनबाड़ी की सुधार की मांग की गई।

लोन वर्राटू में 01 माओवादी ने चुना शांति का पथ

लखमा कवासी जियाकोडता पंचायत मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत जिला दंतेवाड़ा के विभिन्न ग्रामों के व्यक्ति जो प्रतिबंधित नक्सली संगठन में सक्रिय है उन्हें आत्मसमर्पण कर सम्मान पूर्वक जीवन यापन करने के लिए थाना / कैम्पों एवं ग्राम पंचायतों में संबंधित क्षेत्र के सक्रिय माओवादियों के नाम थस्था कर लोन वर्राटू (घर वापस आईये) अभियान चलाया जा रहा है एवं उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप दन्तेवाड़ा रेंज, उप पुलिस महानिरीक्षक सीआरपीएफ विकास कठेरिया एवं पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा गौरव राय के द्वारा नक्सली संगठन में सक्रिय माओवादियों से आत्मसमर्पण कर सम्मान पूर्वक जीवन यापन करने के लिए लगातार आह्वान कर अपील किये जाने पर आज दिनांक 24.08.2023 को कटेकल्याण एरिया कमेटी अन्तर्गत जियाकोडता पंचायत मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर लखमा कवासी पिता लिंगा कवासी उम्र लगभग 35 वर्ष जाति माडिया निवासी जियाकोडता पटेलपारा थाना कुआकोण्डा जिला दन्तेवाड़ा

ने माओवादी संगठन के खोखली विचारधारा से तंग आकर लोन वरोंटू (घर वापस आईये अभियान) एवं छत्तीसगढ़ शासन के पुनर्वास योजना से प्रभावित होकर समाज के मुख्यधारा से जुड़कर विकास में सहयोग करने की इच्छा व्यक्त करते हुए उप पुलिस महानिरीक्षक श्री कमलोचन कश्यप (भा.पु.से.) दन्तेवाड़ा रेंज, उप पुलिस महानिरीक्षक सीआरपीएफविकास कठेरिया , पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा गौरव राय प्रभाकर उपाध्याय द्वितीय कमान अधिकारी सीआरपीएफ रेंज दन्तेवाड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वन्तेवाड़ा श्री राम कुमार बर्मन एवं सत्य नारायण तंवर डिप्टी कमाण्डेंट (आसूचना शाखा) सीआरपीएफ के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण कराने में आरएफटी सीआरपीएफ रेंज दन्तेवाड़ा का विशेष योगदान रहा।

लोन थर्राटू अभियान के तहत अब तक 161 ईनामी माओवादी सहित कुल 630 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं।

आत्मसमर्पित माओवादी जियाकोडता पंचायत मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर निम्नलिखित घटनाओं में शामिल था :- 1. वर्ष 2018 में नक्सली बंद के दौरान ग्राम बडेगुडरा से ऐटेपाल जाने वाली मुख्यमार्ग पर ऐटेपाल तालाब के पास रोड खोदकर मार्ग अवरोध करने की घटना में शामिल था।

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता गोबर गणेश-उरकुड़े

दंतेवाड़ा-बैलाडीला मार्ग पर उठाए सवाल

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) क्रियाकलापों को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाले लोकनिर्माण विभाग पर नाराजगी जाहिर करते 80 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक पी0एन0उरकुड़े ने वर्तमान कार्यपालन अभियंता को गोबर गणेश करार देते कहा कि वे केवल कार्यालय में जमे रहते हैं कभी भी फील्ड में निरीक्षण करने नहीं जाते ।बल्कि अक्सर रायपुर चले जाते हैं ।विभाग का सारा दारोमदार अनुविभागीय अधिकारी पर होता है ।उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा से बैलाडीला मार्ग पर निर्माण हो रहे 70 से अधिक पुलों में लगातार दुर्घटना होती है कुछ तो मौतें भी हो गई है ।मापदंड का परिपालन नहीं करने का खामियाजा आज क्षेत्र की जनता भुगत रही है ।लेकिन विभाग को इसकी कोई परवाह नहीं है ।इस मार्ग पर प्राय:गाड़ियां जाम हो जाती हैं कुछ पलट भी चुकी है अनेक दफे शिकायत के बावजूद ये अधिकारी चुप्पी साध लेते हैं ।विभाग

की सुस्त कार्यशैली को सुधारने व्यापक बदलाव की दरकार है अन्यथा सड़कों की दुर्दशा से और भी गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं ।

घूमन्तु पशुओं पर नियंत्रण एवं सड़क दुर्घटना को रोकने हेतु निकाली गई पशुपालक जागरूकता रैली

उत्तर बस्तर कांकेर :- कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला के निर्देशानुसार पशुधन विकास विभाग कांकेर द्वारा सड़क पर घूमन्तु पशुओं पर नियंत्रण एवं सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए पशुपालकों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से नया बस स्टैण्ड कांकेर से राष्ट्रीय राजमार्ग गोविन्दपुर तक जागरूकता रैली निकाली गई। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया है कि नगरीय एवं ग्राम पंचायत क्षेत्र में आवारा घूम रहे पशुओं द्वारा फसलों की चराई, सड़क, उद्यान एवं सार्वजनिक स्थलों में विचरण करते हुए पाये जाने पर पशु के मालिक पर पशु अतिचार अधिनियम 1871 की धारा 12 के तहत् अर्थदण्ड अधिरोपित किया जायेगा, जो प्रथम बार में 01 हजार रूपये एवं पुनरावृत्ति होने की दशा में 500 रूपये का जुर्माना देना होगा और उक्त पशुओं को निकटतम कांजी हाउस में भी भेजा जायेगा। मवेशी के मुख्य मार्गों में जमावट की शिकायत हेतु नगरपालिका के टोल फ्री नंबर निदान-1100 में शिकायत दर्ज कराया जा सकता है।

पशुधन विकास विभाग के उप संचालक डॉ. सत्यम मित्रा द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सड़कों पर घूम रहे घूमन्तु पशुओं की सड़क दुर्घटना में मृत्यु जैसे गंभीर हादसों को रोकने, जिले में पशुपालकों को जागरूक करने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे सड़कों पर पशुओं की दुर्घटना पर अंकुश लगाया जा सके। उनके द्वारा पशुपालकों से अपील की गई है कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी अंतर्गत गोधन न्याय योजना के तहत् अपने पशुओं को घर पर रखकर उनसे उत्सर्जित गोबर का अपने समीपस्थ गौठानों में विक्रय कर आय अर्जित करें। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत पशुओं के चिन्हांकन हेतु पशुओं के कानों में बिल्ला टैग लगवाकर पंजीयन अवश्य करवायें। उक्त जागरूकता रैली में पशुधन विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे एवं उनके द्वारा जागरूकता संबंधी सूचना का पाम्पलेट भी वितरण किया गया।

पोटा केबिन बेंगलुरु में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) बाल ज्योति कार्यक्रम अंतर्गत निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन आर्सेलर मित्तल निप्पोन एवं समग्र शिक्षा विभाग दंतेवाड़ा के सौजन्य से पोटा केविन बेंगलूर में आज दिनांक 25-08-2023किया गया। जिसमें एपीसी कमल कर्मकार ,विकास खंड स्त्रोत समन्वयक प्रमोद कर्मा, बीआरपी नारायण साहू,विजय रजक,अनुमेहा तिवारी,पूनम जयसिंघानी एवं पोटा केविन बेंगलूर के प्राचार्य, अधीक्षक एवं विकास खंड कटेकल्याण के समन्वयक व शिक्षक की उपस्थिति रही । चिकित्सक में पारासर सरजी एवं उनके टीम जगदलपुर द्वारा किया गया।शिविर में कुल 494 बच्चों का पंजीकरण किया गया, जिसमें 104 बच्चे को चश्मा,रिफ्रल 03बच्चे तथा दवाई 60 बच्चे को आर्सेलर मित्तल निप्पोन द्वारा किया गया।

भानुप्रतापपुर के अंग्रेजी शराब दुकान में प्रिंट रेट से अधिक मूल्य में बिक रही है शराब

अशोक जैन

उत्तर बस्तर कांकेर:- जिले भानुप्रतापपुर अंग्रेजी शराब की दुकानों में शराब और बियर के निर्धारित मूल्य से अधिक के दाम वसूले जा रहे हैं। इससे शराब के शौकीनों की जेब पर अतिरिक्त बोझ तो पड़ ही रहा है साथ ही सरकार को भी क्षति पहुंच रही है। पूरी जानकारी के बावजूद आबकारी विभाग खामोश बैठा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति ने अपना नाम ना छपवाने की शर्त पर अंग्रेजी शराब की बोतल पर ओवर राइटिंग शराब की बोतलों और बियर के निर्धारित मूल्य से अधिक दाम वसूलने का खेल कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर अंग्रेजी शराब दुकान में पिछले लंबे समय से चल रहा

है। यहां पर4 220 रुपये मूल्य की बीयर के 240 रुपये मैं मिल रही है। और गोवा शराब के 120 रुपये की जगह 140 रुपए में बेचा जा रहे हैं।

अलग अलग ब्राड की शराब में प्रिंट मूल्य से अधिक के दाम लिए जाते हैं। अधिक दामों को लेकर आए दिन ग्राहकों की झड़प होती रहती है, लेकिन शराब के शौकीनों को मजबूरी में अधिक दाम देने पड़ते हैं। अधिक दाम वसूलने के कारण शराब ठेके पर नियुक्त रेट बेचा जा रहा है। इस कारण शराब की दुकान के सेल्समैन और ग्राहकों के बीच आए दिन विवाद की नौबत भी आती है। शराब पीने वाले लोग यह सब जानते हैं, लेकिन झगड़े के डर के कारण यह लोग ज्यादा कुछ बोल नहीं पाते और विरोध किए बिना ही शराब खरीद कर चले जाते हैं इस संबंध में जिलाधिकारी अपाकारी विभाग से संपर्क करने पर उन्होंने फोन नहीं उठाया।

सूरजपुर जिले में प्रत्येक योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद को मिले लेकिन योजना के नाम पर इतनी भी लापरवाही नहीं हो कि उसका दुरुपयोग ही हो जाए

ऐसा ही एक मामला सूरजपुर तहसील की ग्राम पंचायत देवीपुर में सामने आया है जहां अधिकारी-कर्मचारियों की गम्भीर लापरवाही सामने आई है, सरकारी छोटा झाड़ जंगल मद की भूमि पर पहले बनाया प्रधानमंत्री आवास योजना का मकान, किस्त भी कर दी जारी फिर चला दी गई बुलडोजर

प्रधानमंत्री आवास योजना से बने मकान पर चला बुलडोजर

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर जिले के ग्राम देवीपुर में प्रशासन द्वारा अवैध कब्जा हटाने के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना में बने संतोष कुमार के घर के एक हिस्से को भी बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया. यह आवास सरकारी छोटा झाड़ जंगल मद की भूमि में 2017 में बनाया गया था. इस आवास के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना से किस्तें भी जारी हो चुकी थी. इसको जमींदोज करने की कार्रवाई में प्रधानमंत्री आवास में किए जा रहे गड़बड़ियों की पोल खुल गई है।

गांव में आवास योजना में गड़बड़ी के कई मामले : प्रधानमंत्री आवास योजना में केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदान को अपात्रों को देने के कई मामले सामने आ चुके हैं। सरकारी जमीन पर मकान बना दिए गए। विभाग के अफ्सरों एवं पंचायत ने भी आंखें बंद कर अनुदान बांट दिया। मकान बन जाने के कई वर्षों बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई प्रशासन की असंवेदनशीलता को दर्शाती है जहां बीते दिनों विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया था। इस दौरान पाया गया कि सरकारी छोटा झाड़ जंगल की भूमि पर भी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बन गए है।

क्या अफ्सरों कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी : गरीब एवं कम पढ़े लिखे ग्रामीण तो नियम कानून एवं कानून की बारीकियों से अनजान होते हैं लेकिन विभागीय जिम्मेदार तो हर नियम कानून की जानकारी रखते हैं फिर भी चौंकाने वाली बात यह है कि जिम्मेदार सरकारी छोटा झाड़ की जंगल की भूमि पर मकान बनवा रहे हैं और जमीन की फर्जी रिपोर्ट लगा रहे हैं।

सरकारी जमीन पर किसी तरह का निर्माण नहीं किया जा सकता है इसके बावजूद अधिकारियों ने सरकारी जमीन पर आवास बनवा दिया। सरकारी जमीन को लाभार्थी की जमीन बताकर ग्राम पंचायत ने लाभार्थी को मकान बनाने की किस्तें भी जारी कर दी और अब वह निर्माण पूरा भी हो गया। कुछ मकान अधूरे बने कुछ मकानो के एक किस्त किसी के दो किस्त जारी कर दी गई मकान पूर्ण नहीं हुए। सरकारी पैसों के इस तरह की बंदरबांट से कई पात्र गरीब लोग योजनाओं से वंचित कर दिए जाते हैं। ऐसे में संबंधित विभाग पर सवालिया निशान लग रहा है।

क्या प्रशासन अनुदान देने वाले अफ्सरों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी या गरीब भूमिहीन लोग ही सारे नियम कानून के दायरे में आकर पिसते रहेंगे।

लाभार्थी का क्या है कहना है : सन 2017 में प्रधानमंत्री आवास के तहत मेरा मकान बनाया गया था अप्रैल 2023 में मेरे आवास पर बुलडोजर चला दी गई और एक हिस्सा ध्वस्त कर दिया गया मैं भूमिहीन हूं और बारिश में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्राम सभा अध्यक्ष ने कहा : मैं मौके पर जाकर एसडीएम एवं तहसीलदार के समक्ष आपत्ति दर्ज कराया था कि बिना ग्राम सभा की सहमति के आप मकान पर बुलडोजर नहीं चला सकते सरगुजा अनुसूचित क्षेत्र है यहां पर पेसा कानून लागू है बीना ग्राम सभा के सहमति के कार्रवाई कर दी गई।:---जयनाथ केराम ग्राम सभा अध्यक्ष ग्राम पंचायत देवीपुर।

इस संबंध अधिकारी क्या कहते हैं : इस मामले की जांच कराई जाएगी कहीं भी कोई गड़बड़ी आवास योजना में पाई जाने पर संबंधित लोगों पर कार्यवाही की जाएगी।:--विनोद सिंह सीईओ जनपद पंचायत सूरजपुर जिला सूरजपुर।

संक्षिप्त समाचार

सूने घर से 1.60 लाख की चोरी नकदी 40 हजार व सोने पार

रायपुर। सिविल लाईन क्षेत्र के रविनगर राजातालाब इलाके के एक सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के जेवरात, 40 हजार नगदी सहित कुल 1 लाख 60 हजार रूपए का सामान पार कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी अनिल विनायक देशपांडे निवासी रवि नगर ने शिकायत दर्ज कराया कि घटना दिनांक 13 अगस्त की शाम प्रार्थी कुछ काम से बाहर गया हुआ था। इस दौरान किसी अज्ञात चोर ने प्रार्थी के घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया तथा आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात, नगदी 30 हजार रूपए सहित कुल 1 लाख 60 हजार का सामान लेकर भाग निकला। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफजुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है।

ऑनलाईन ठगी कर खाते से 49 हजार पार

रायपुर। राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के खाते से अज्ञात शख्स ने ओटीपी पूछकर करीब 49 हजार रूपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी सरोज कुमार नायक निवासी डेफे बील बिल्डिंग मकान नंबर 502 अमलीडीह ने शिकायत दर्ज कराया कि घटना दिनांक 12 अगस्त को प्रार्थी के मोबाइल पर एक मैसेज आया, जो कि एडी, एचसीसी डीपीटी से आया हुआ था। इसके बाद प्रार्थी से बैंक खाते का आईडी और पासवर्ड पूछा गया। इसकी जानकारी देने के बाद थोड़ी देर बाद बैंक से 49 हजार रूपए निकालने का मैसेज आया। खुद को ठगा महसूस करते हुए प्रार्थी ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफजुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है।

बूढ़ापारा से युवक की बाइक पार

रायपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के परफेक्ट टॉवर में पास से एक युवक की बाइक अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ जुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी कमलेश साहू पिता सुखनंद साहू 28 वर्ष निवासी महोबाबाजार आमानाका ने शिकायत दर्ज कराया कि प्रार्थी 13 तारीख को अपनी मोटर साइकिल क्रमांक सीजी 04 एम एल / 4434 लेकर बूढ़ापारा किसी काम से आया हुआ था। यहां किसी अज्ञात चोर ने प्रार्थी की बाइक अनुमानित कीमत करीब 25 हजार रूपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ जुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है।

स्कूटी सवार युवक हुआ हादसे का शिकार, मौत

रायपुर। आमानाका थाना क्षेत्र के महोबाबाजार ओव्हरब्रिज में एक स्कूटी सवार युवक अज्ञात वाहन से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एम्स ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्कूटी सवार युवक का नाम भूपेंद्र कुमार चौबे पिता दिलीप कुमार चौबे 29 वर्ष है। मृतक अपनी एक्टिवा वाहन में गैस सिलेंडर लेकर कहीं जा रहा था। इसी दौरान वह किसी अज्ञात वाहन से टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गया था एक्टिवा में उसके साथ रमेश जंघेल नामक युवक भी बैठा था जो कि घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल भूपेन्द्र को एम्स में उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जहां उचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने युवक को कुचला

रायपुर। नेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम सांकरा एवं सरोरा के मध्य एक तेज रफ्तार हाईवा ट्रक चालक ने लापरवाहीपूर्वक गाड़ी चलाते हुए सड़क किनारे खड़े एक युवक को कुचल दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफजुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी दुर्गेश ध्रुव निवासी ग्राम केसदा सिमगा थाना बलौदाबाजार ने शिकायत दर्ज कराया कि आरोपी हाइवा ट्रक क्रमांक सीजी 23 के 7211 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक गाड़ी चलाते हुए सड़क किनारे खड़े युवक ठाकुर राम निषाद पिता संजू निषाद 30 वर्ष को कुचल दिया। इससे ठाकुर राम निषाद की मौके पर ही मौत हो गई। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने हाइवा चालक के खिलाफजुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है।

अनियंत्रित कार की चपेट में आकर युवक-युवती की मौत, तीन अन्य गंभीर

रायपुर। अभनपुर थाना क्षेत्र के परसट्टी के निकट कल एक तेज रफ्तार कार चालक ने दोपहिया सवार युवकों तथा एक ऑटो रिक्शा को जोरदार ठोकर मार दिया। हादसे में बाइक सवार एक युवक व एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न

अब तक करीब 129 करोड़ रूपए से ज्यादा की हुई बचत-मुख्य सचिव जैन

■ धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर पर सस्ती दर पर दवाई उपलब्ध होने से नागरिकों को मिल रही बड़ी राहत

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य प्रवर्तित श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव ने राज्य के विभिन्न जिलों के नगरीय निकाय क्षेत्रों में संचालित की जा रही करीब 197 जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स में नागरिकों को सस्ती दर पर उच्च गुणवत्ता की जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों से जिलेवार विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने जिले के कलेक्टरों से समय-समय पर धनवंतरी मेडिकल स्टोर के निरीक्षण कर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा है। मुख्य सचिव ने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों से कहा है कि राज्य शासन की नागरिकों को अच्छी गुणवत्ता की जेनेरिक दवाएं सस्ती दर पर धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना से उपलब्ध करायी जा रही है। यह महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स की लगातार मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए है। राज्य प्रवर्तित श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना की राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ श्री सौमिल रंजन चौबे ने प्रस्तुतीकरण के जरिए बताया कि प्रदेश के नागरिकों के ईलाज हेतु आसानी से जेनेरिक दवाएं सस्ते दर पर उपलब्ध हो इसके लिए राज्य शासन द्वारा प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों में श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर खोले गए हैं। इन मेडिकल स्टोरों पर करीब 329 जेनेरिक मेडिसन और 26 सर्जिकल आइटम सस्ती दरों पर उपलब्ध हैं। मेडिकल स्टोरों पर एमआरपी पर से करीब 50 से 72 प्रतिशत डिसकाउंट पर दवाएं उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि धन्वंतरी दवा दुकानों में सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर, इन्सुलिन के साथ गंभीर बीमारियों की दवा, एंटीबायोटिक, सर्जिकल आईटम भी रियायती मूल्य पर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना 20 अक्टूबर 2021 से शुरू की गई है। योजना के तहत राज्य के समस्त 169 नगरीय निकायों में 197 श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर खोले गए। शासकीय चिकित्सकों को अस्पताल में इलाज हेतु आने वाले मरीजों को जेनेरिक दवाई लिखना अनिवार्य किया गया है। योजना से अब तक 212 करोड़ रूपए एम.आर.पी. की दवाओं को 83 करोड़ 77 हजार रूपए में विक्रय किया गया। इससे करीब नागरिकों को 129 करोड़ रूपए से ज्यादा की बचत हुई है। गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकाय में संचालित धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल की दुकानों से 73 लाख 92 हजार से अधिक नागरिकों ने सस्ती दवायें खरीदी है। जिससे लोगों को काफी राहत मिली है और कम मूल्य पर दवा उपलब्ध होने से उन्हें बचत हो रही है।

भूपेश सरकार में महिलाएं त्रस्त-वानथी निवासन....

■ कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुकी हैं

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानथी निवासन ने कहा है कि भाजपा महिला मोर्चा की सभी पदाधिकारी-कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुकी हैं। निवासन ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शक्ति केन्द्रों तक जाकर हर एक महिला से संपर्क साधेगा। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष निवासन ने बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भारत आविष्कारों एवं टेक्नोलॉजी में क्षेत्र में नयी ऊंचाइयों को छू रहा है। महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की उन्नति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तार से चर्चा करते हुए निवासन ने कहा कि महिला मोर्चा की सभी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के विकास एवं सशक्तिकरण के लिए जो भी कार्य हुए हैं, उनको गांव एवं शहर, हर स्तर पर महिलाओं तक पहुँचाएंगीं। सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए केंद्र सरकार द्वारा देश में युवा महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन ट्रीटमेंट देने की शुरुआत की है जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य को भी चुना गया है जिससे छत्तीसगढ़ की महिलाओं मे इस बीमारी से बचने के लिए एक बहुत ही सशक्त पहल है। मुद्रा योजना के तहत महिलाओं को उद्यम शुरू करने एवं देश में नए महिला उद्यमी बनने में सहायता मिल रही है।

बिलासपुर-दुर्ग के साथ गोंदिया में ऑटोमेटिक कोच वाशिंग प्लांट...

रायपुर। संवाददाता

देश की धड़कन भारतीय रेलवे से हर दिन लाखों की संख्या में लोग सफर करते हैं । ट्रेन का सफर बेहद सुविधाजनक और किफायती है। देश की बहुतायत आबादी लंबे सफर के लिए ट्रेन को ही पसंद करती है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने यात्रियों को नई और उन्नत सुविधाएं देने की कोशिश कर रही है । ये सुविधाएं यात्रा को सुविधाजनक के साथ संक्रमणमुक्त रखने में भी मदद करेंगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की यह हमेशा कोशिश रहती है कि वह यात्रियों को रेलवे स्टेशन और ट्रेन में साफ सफाई की सुविधा दे सकें। उन्हीं में से एक है ऑटोमेटिक कोच वाशिंग प्लांट। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने परंपरागत धुलाई के तरीकों को खत्म करके ऑटोमेटिक कोच वॉशिंग प्लांट की सुविधा शुरू दिया है । इस ऑटोमेटिक कोच वाशिंग प्लांट लगाने के पीछे का मकसद ये है कि ट्रेनों में बढिया से बढिया और जल्दी सफाई दी जा सके । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में इस मानवरहित कोच वाशिंग प्लांट को सबसे पहले बिलासपुर मंडल के कोचिंग डिपो में लगाया गया, जिससे पानी समय और मैनपावर की बचत हो रही है। इस आधुनिक कोच वाशिंग प्लांट की सहायता से न केवल पानी की बचत हो रही है, बल्कि ट्रेन के कोचों की धुलाई भी शानदार तरीके से हो रही है, जिससे कोच चंद घंटो में चमक जाते हैं। इससे पहले मैन्युअली ट्रेन के एक कोच को धोने के लिए 1500 लीटर पानी की जरूरत होती थी, लेकिन ऑटोमेटिक कोच वाशिंग प्लांट से केवल 300 लीटर पानी में पूरी कोच धुल जाती है । वही इस 300 लीटर पानी में भी 80त्न रीसाइकिल्ड पानी होता है और प्रतिदिन प्रति कोच धोने के लिए ताजा पानी केवल 60 लीटर ही लगता है । इससे 96त्न पानी की बचत होती है यानि कि सालाना 1.28 करोड़ लीटर पानी की बचत हो सकेगी ।

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भोपाल के मानस भवन में मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल के राज्य स्तरीय सम्मेलन कार्यशाला को संबोधित किया।

निर्वाचन संबंधी तैयारियों की दी जानकारी, मांगे सुझाव

मतदाता सूची पुनरीक्षण में सहयोग करें राजनैतिक दल-कलेक्टर भुरे

■ जिला निर्वाचन अधिकारी-एसएसपी संग राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक

रायपुर/ संवाददाता

विधानसभा निर्वाचन 2023 की आवश्यक तैयारी को लेकर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने आज सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। बैठक में एसएसपी श्री प्रशांत अग्रवाल सहित सभी सातों विधानसभाओं के रिटर्निंग अधिकारी भी शामिल हुए। डॉ. भुरे ने जिले में सभी विधानसभाओं में निष्पक्ष निर्वाचन एवं राजनैतिक दलों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण के काम में सहयोग की अपील की। कलेक्टर डॉ. भुरे ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों की विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक कर दी गई है। अब एक अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहें युवाओं एवं छूटे हुए मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, विलोपन एवं संशोधन के लिए मतदान केंद्रों में नियुक्त अविहित अधिकारी द्वारा 31 अगस्त तक दावा आपत्ति ली जायेगी। बैठक में कलेक्टर ने विधानसभा निर्वाचन से संबंधित अब तक की जा रही तैयारियों की जानकारी भी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ में फेरबदल

रायपुर। वीरेंद्र नामदेव प्रांताध्यक्ष, जे.पी.मिश्रा कार्यकारी प्रांताध्यक्ष अनिल गोल्हानी महामन्त्री तथा बी.एस.दसमेर कोषाध्यक्ष नियुक्त देश में पेंशनरों के अग्रणी अखिल भारतीय संगठन भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.एच. सुरेश ने छत्तीसगढ़ में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के कार्य विस्तार हेतु छत्तीसगढ़ प्रदेश के पदाधिकारियों में फेरबदल किया है और नई नियुक्ति की है. नये पदाधिकारी के चयन में छत्तीसगढ़ में लम्बे समय तक कर्मचारी संगठन में पूर्व प्रांताध्यक्ष/ महामंत्री रहे और सेवानिवृत होने के बाद आज भी सक्रिय भूमिका में रहने के वाले पूर्व कर्मचारी नेता और छत्तीसगढ़ राज्य संयुक्त पेंशनर फेडरेशन के प्रदेश संयोजक वीरेंद्र नामदेव को छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रांताध्यक्ष नियुक्त किया है. नवा रायपुर महानदी और इंद्रावती विभागाध्यक्ष कार्यालय के संयुक्त संगठन के अध्यक्ष रहे कर्मचारी नेता जे पी मिश्रा को कार्यकारी प्रांताध्यक्ष तथा छत्तीसगढ़ डिप्लोमा अभियंता संघ के कोषाध्यक्ष रहे सक्रिय कर्मचारी नेता अनिल गोल्हानी को प्रदेश महामन्त्री तथा छत्तीसगढ़ दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महामन्त्री रहे कर्मचारी नेता बी एस दसमेर को पेंशनर्स महासंघ में प्रदेश कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है.

आओ हम एक दीप जलाएं मतदान की अलख जगाएं

■ रायपुर के बूढ़ा तालाब परिसर में मतदाता महोत्सव 25 अगस्त की शाम को

■ निर्वाचन आयोग की टीम के साथ दीप दान कर लें मतदान का संकल्प

रायपुर/ संवाददाता

आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए की जा रही प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा करने भारत निर्वाचन आयोग का दल रायपुर जिले के प्रवास पर आने वाला है। इस दौरान मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के जागरूकता कार्यक्रम भी जिला प्रशासन द्वारा किए जाएंगे। 25 अगस्त को शाम 6 बजे से बूढ़ा तालाब विवेकानंद सरोवर परिसर में मतदाता महोत्सव मनाया जाएगा। इस महोत्सव में मतदान के लिए मतदाताओं को प्रेरित करने दीप दान कार्यक्रम भी होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने अधिक से अधिक लोगों से इस कार्यक्रम में शामिल होकर दीप दान के साथ मतदान का संकल्प लेने की अपील की है। कार्यक्रम में भारत निर्वाचन आयोग की टीम के सदस्य भी शामिल होंगे और मतदाताओं को मतदान का महत्व बताएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आज इस संबंध में अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में की।

स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन कराने का संकल्प

समस्त आवश्यक तैयारियां करें सुनिश्चित-निर्वाचन आयोग

■ आगामी विधानसभा निर्वाचन में मतदाता प्रलोभन पर करें कड़ी कार्यवाही- निर्वाचन आयुक्त

■ समस्त आवश्यक तैयारियां करें सुनिश्चित - भारत निर्वाचन आयोग समस्त आवश्यक तैयारियां करें सुनिश्चित

रायपुर/ संवाददाता

भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार ने आज एनफोर्समेंट एजेंसियों की बैठक में आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की तथा एनफोर्समेंट एजेंसियों के अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन हेतु समस्त आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन में मतदाता प्रलोभन पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के समस्त दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त श्री अनूप चंद्र पांडेय, निर्वाचन आयुक्त श्री अरूण गोयल, भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री हृदेश कुमार, वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त श्री धर्मेन्द्र शर्मा और श्री नितेश व्यास, उप निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज कुमार साहू और श्री आर.के. गुप्ता, उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू, महानिदेशक श्री बी नारायणन, निदेशक श्री यशवेंद्र सिंह, निदेशक (आई टी) श्री अशोक कुमार, वरिष्ठ प्रधान सचिव श्री एन.एन. बुटोलिया, प्रधान सचिव श्री एस.बी. जोशी, संयुक्त निदेशक श्री अनुज चांडक और अवर सचिव श्री रितेश सिंह ने बैठक में विस्तार से विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों की समीक्षा की बैठक में अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा धनबल का दुरुपयोग न हो, यह पूर्णत: सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस, आयकर, आबकारी, वन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, डी आर आई, परिवहन विभाग, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रिजर्व बैंक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, सी जी एस टी, एस जी एस टी, डाक विभाग, उड्डयन विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, भारतीय रेलवे, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन अथारिटी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इसके पश्चात मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने बैठक में विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के संबंध में विस्तार से आयोग को अवगत कराया साथ ही नोडल अधिकारी पुलिस श्री ओ पी पाल ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों के संबंध में आयोग को अवगत कराया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com